• जयपुर, बुधवार 1 जनवरी 25 • वर्ष 14 • अंक 134 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये

www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्या: RJ/JPC/D19/2024-25

RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

चमकता राजस्थान

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''

● स्वामी विवेकानंद

पेज @ 3 नववर्ष में हम नई ऊर्जा और नए संकल्प के साथ विकसित राजस्थान की ओर होंगे ...

पेज @ 4 जैसलमेर में न्यू ईयर सेलिब्रेशन के लिए उमड़ा जनसैलाब...

पेज @ 8 टैंकर का वॉल्व टूटने से ऑक्सीजन प्लांट में गैस लीक...

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली में कोई मंदिर या बौद्ध स्थल तोड़ा न जाए, सीएम आतिशी ने एलजी को लिखा पत्र

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना को राजधानी के मंदिरों और बौद्ध धार्मिक स्थलों के मामले को लेकर चिट्ठी लिखी है। इसमें उन्होंने कहा है कि उपराज्यपाल ने मंदिरों और बौद्ध धार्मिक स्थलों को तोड़ने के निर्देश दिए हैं लेकिन इन्हें तोड़ा नहीं जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने इस चिट्ठी में लिखा है कि आपके निर्देश पर और आपकी स्वीकृति से धार्मिक समिति ने दिल्ली भर में कई धार्मिक ढांचों को गिराने का निर्णय लिया है। जैसा कि आप देख सकते हैं कि गिराए जाने वाले धार्मिक ढांचों की सूची में कई मंदिर और बौद्ध पूजा स्थल शामिल हैं, जो दलित समुदाय द्वारा पूजनीय हैं। इन ढांचों को गिराने से इन समुदायों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचेगी। दिल्ली के लोगों की ओर से मैं आपसे अनुरोध करना चाहूंगी कि संलग्न सूची में दिए गए किसी भी मंदिर और पूजा स्थल को न तोड़ा जाए।

राष्ट्रपति ने नववर्ष की पूर्व संध्या पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को नववर्ष 2025 की पूर्व संध्या पर सभी देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। राष्ट्रपति ने अपने शुभकामना संदेश में कहा, नववर्ष के उल्लासपूर्ण अवसर पर मैं देश और विदेशों में रहने वाले सभी भारतीयों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। उन्होंने कहा कि नववर्ष का आगमन हमारे जीवन में नई आशा, नए सपनों और नई आकांक्षाओं के शुभारंभ का प्रतीक होता है। यह नया साल हमें अपने संकल्पों को पूरा करने के लिए नए ऊर्जा के साथ आगे बढ़ने का अवसर है। राष्ट्रपति ने कहा कि आइए हम सभी हर्ष और उत्साह के साथ नए साल का स्वागत करें तथा अपने समाज और राष्ट्र को एकता तथा उत्कृष्टता के मार्ग पर और आगे बढ़ाएं।

मतदाता पंजीकरण में जाली दस्तावेज को लेकर 12 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने कथित तौर पर जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल करके मतदाता पंजीकरण आवेदन जमा कराने वाले 12 लोगों के खिलाफ मंगलवार को एफआईआर दर्ज की है। पुलिस ने यह कार्रवाई कापसहेड़ा एसडीएम और एक चुनाव अधिकारी की शिकायत पर की है। कापसहेड़ा एसडीएम ने थाना द्वारका सेक्टर-17 और बिंदापुर के एसएचओ को छह लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया। वहीं नरेला में एक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) ने पुलिस को शिकायत दी है। पुलिस को लिखे पत्र में कहा कि जांच में यह पाया गया है कि कुछ आवेदकों ने पहचान और निवास के प्रमाण के रूप में आधार कार्ड और बिजली बिल सहित दस्तावेजों के साथ छेड़छाड़ करके अधिकारियों को धोखा देने का प्रयास किया है। यह एक गंभीर अपराध है, क्योंकि आवेदकों ने मतदाता सूची में हेरफेर करने के लिए जानबूझकर गलत जानकारी और दस्तावेज प्रदान किए हैं।धोखाधड़ी के इरादे से जालसाजी करने और जाली दस्तावेजों को असली के रूप में इस्तेमाल करने के आरोप में आउटर नॉर्थ जिला के नरेला इंडस्ट्रीयल थाना में छह लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस)-2023 की धारा 318 (4)/3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

भारत का रक्षा निर्यात एक दशक पहले के 2,000 करोड़ रुपये से बढ़कर रिकॉर्ड 21,000 करोड़ रुपये को पार कर गया : राजनाथ सिंह

महू/एजेंसी।

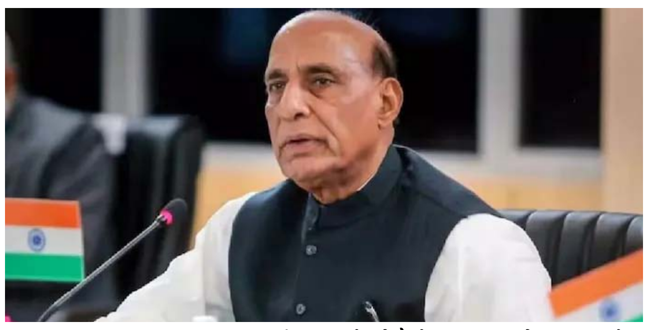

भारत का रक्षा निर्यात एक दशक पहले के 2,000 करोड़ रुपये से बढ×कर रिकॉर्ड 21,000 करोड़ रुपये को पार कर गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने मध्य प्रदेश के दौरे के दौरान महू छावनी में आर्मी वॉर कॉलेज (एडब्ल्यूसी) में अधिकारियों को संबोधित करते हुए यह जानकारी दी। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत ने 2029 तक 50,000 करोड़ रुपये का रक्षा निर्यात हासिल करने का लक्ष्य रखा है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, हमारा रक्षा निर्यात, जो एक दशक पहले लगभग 2,000 करोड़ रुपये था, अब 21,000 करोड़ रुपये के प्रभावशाली स्तर को पार कर गया है। इसी के साथ हमने 2029 तक 50,000 करोड़ रुपये का निर्यात लक्ष्य रखा है। उन्होंने जानकारी दी कि भारत में बनाए गए उपकरणों (मेड इन इंडिया इक्विमेंट) को दूसरे देशों में भेजा जा रहा है। सिंह ने कहा कि लगातार आगे बढ़ते और विकसित होते समय में एडवांस टेक्नोलॉजी में निपुणता हासिल करना समय की मांग है।

उन्होंने आगे कहा कि सैनिकों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने में मिलिट्री ट्रेनिंग सेंटर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने भाषण में कहा, इंफॉर्मेशन वॉरफेयर, एआई बेस्ड वॉरफेयर, प्रॉक्सी वॉरफेयर, इलेक्ट्रोमैग्नेटिक वॉरफेयर, स्पेस वॉरफेयर और साइबर अटैक बड़ी चुनौती बनकर उभरे हैं।

उन्होंने इस तरह के हमलों से लडने के लिए सेना को अच्छी तरह से प्रशिक्षित और सुसज्जित होने की जरूरत पर जोर दिया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इन्फेंट्री स्कूल में वेपन ट्रेनिंग, मिलिट्री कॉलेज ऑफ टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग (एमसीटीई) में एआई और कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी, एडब्ल्यूसी में जूनियर और सीनियर कमांड जैसे क्षेत्रों में ट्रेनिंग के जरिए इंटीग्रेशन बढ़ाने की संभावनाओं का पता लगाने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा, कुछ अफसर भविष्य में दूसरे देशों में दूतावास या उच्चायोग में नियुक्त होंगे, जिनकी जिम्मेदारी अहम होगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इन अधिकारियों को वैश्विक स्तर पर राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने का प्रयास करना चाहिए। रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि सरकार भारत को दुनिया की सबसे मजबूत आर्थिक और सैन्य शक्तियों में से एक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा, आर्थिक समृद्धि तभी संभव है जब सुरक्षा पर पूरा ध्यान दिया जाए। इसी तरह, सुरक्षा व्यवस्था तभी मजबूत होगी जब अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। रक्षा मंत्री सिंह ने सीमाओं की सुरक्षा और प्राकृतिक आपदाओं के दौरान सबसे पहले प्रतिक्रिया देने में सशस्त्र बलों की भूमिका की सराहना की।

आईएएस प्रवीण गुप्ता बने अतिरिक्त मुख्य सचिव

चमकता राजस्थान

जयपुर। सरकार ने 28 आइएएस और 45 आइपीएस और 29 भारतीय वन सेवा के अधिकारियों को पदोन्नति का तोहफा दिया है। छह बैचों के आइएएस अधिकारियों की वेतन श्रृंखला अपग्रेड हुई है। 1995 बैच के दो आइएएस अधिकारी अतिरिक्त मुख्य सचिव बनाए गए हैं। इस बैच के पांच आइएएस अधिकारी हैं, लेकिन दो पद रिक्त होने के कारण पांच में से प्रवीण गुप्ता और भास्कर आत्माराम सांवत को ही पदोन्नति दी है। पदोन्नति के बाद 8 आइएएस अधिकारियों को मौजूदा विभागों में ही पदोन्नति दी गई है।

● ये आइएस पदोन्नत

प्रवीण गुप्ता, भास्कर आत्माराम सावंत अबोव सुपरटाइम वेतन श्रृंखला से मुख्य सचिव वेतन श्रृंखला में पदोन्नत हुए हैं। मंजू राजपाल और देबाशीष पृष्टी अबोव सुपरटाइम वेतन श्रृंखला में, कुमारपाल गौतम, विश्राम मीणा सुपरटाइम में, ओम प्रकाश कसेरा, रुक्मणि रियार, सिद्धार्थ सियाग, हिमांशु गुप्ता, नमित मेहता, टीकमचंद बोहरा, हरजीलाल अटल चयन वेतन श्रृंखला में पदोन्नत हुए हैं। टीना डाबी, अतहर भास्कर ए. सावंत आमिर उल शफी खान (प्रोफार्मा पदोन्नति), जसमीत सिंह संधू, डॉ. अमित यादव, प्रताप सिंह, डॉ. मंजू, डॉ. रविन्द्र गोस्वामी, रोहिताश्व सिंह तोमर, अर्तिका शुक्ला को कनिष्ठ प्रशासनिक वेतन श्रृंखला में पदोन्नत किया है। गौरव बुडानिया, रिया डाबी, रविकुमार,क आव्हाद निवृत्ती सोमनाथ, जुईकर प्रतीक चंद्रशेखर, सालुखे गौरव रविन्द्र को कनिष्ठ वेतन श्रृंखला से वरिष्ठ वेतन श्रृंखला में पदोन्नत किया है।

ए साल के जश्न को लेकर पंजाब समेत देशभर में पुलिस अलर्ट, गलती की तो होगी सख्त कार्रवाई

नई दिल्ली/एजेंसी।

कुछ घंटों के बाद पूरा देश नए साल के जश्न में डूब जाएगा। उत्तर से लेकर दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक सुरक्षा के इंतजाम पुख्ता किए गए हैं। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन तैयार है। उत्तर प्रदेश में धार्मिक स्थलों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है, झारखंड में डैम के इर्दगिर्द स्टैटिक फोर्स की प्रतिनियुक्ति की गई है, पंजाब में भी व्यवस्था दुरुस्त है तो चेन्नई में ड्रोन और सीसीटीवी संग 25,000 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पुलिस ने उन सभी इलाकों को चिन्हित कर लिए हैं, जहां अमूमन इस तरह के मौकों पर वाहनों का दबाव रहता है। दक्षिण दिल्ली के डीसीपी अंकित चौहान ने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए सभी संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षाबलों की अतिरिक्त टीमों को तैनात किया गया है, जो कि हर प्रकार की गतिविधियों पर नजर बनाकर रखेंगे। इसके साथ ही यह भी सुनिश्चित करेंगे कोई भी निर्धारित नियमों का उल्लंघन ना करें।

उन्होंने कहा कि आमतौर पर नए साल के मौके पर लोग नशे में गाड़ी चलाते हुए देखे जाते हैं, जिसे देखते हुए 21 महत्वपूर्ण स्थानों पर सांस विश्लेषक वाली सुरक्षा चौकियां लगाई गई हैं। वहीं त्वरित प्रतिक्रिया दल (क्यूआरटी) 15 अहम जगहों पर तैनात किए जाएंगे और 38 पीसीआर वैन तैनात किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश की बात करें, तो यहां भी नए साल के जश्न को देखते हुए पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था के विशेष इंतजाम किए हैं। डीजीपी प्रशांत कुमार ने कहा कि हम महिलाओं की सुरक्षा को लेकर संवेदनशील हैं। सभी शहरों में पुलिस को फ्लैग मार्च करने को कहा गया है, ताकि कोई अप्रिय स्थिति पैदा न हो। हॉट स्पॉट इलाकों को चिन्हित करने को कहा गया है। प्रदेश के सभी धार्मिक स्थलों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है, क्योंकि आमतौर पर लोग अपने नए साल की शुरुआत भगवान के दर्शन के साथ करना चाहते हैं।

महाराष्ट्र में गुंडाराज नहीं चलने देंगे : फडणवीस

एजेंसी

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को कहा कि महाराष्ट्र में किसी का भी गुंडाराज नहीं चलने देंगे। बीड़ में सरपंच हत्याकांड के आरोपितों की गहन छानबीन की जाएगी और मामले में दोषी पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री फडणवीस ने यहां पत्रकारों को बताया कि उन्होंने इस मामले में मृत सरपंच संतोष देशमुख के परिवार वालों से बात की और उन्हें आश्वस्त किया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने संतोष देशमुख के परिवार वालों से कहा कि वे चिंता न करें, आरोपित चाहे कितनी ही पहुंच वाला होगा, उस पर कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी। फडणवीस ने बताया कि आज आरोपित ने सरेंडर किया है, उससे पूछताछ की जाएगी और जो सबूत मिलेंगे, उसके हिसाब से आगे भी मामला दर्ज किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि बीड जिले के मस्साजोग के सरपंच संतोष देशमुख की 9 दिसंबर को हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड में मंत्री धनंजय मुंडे के करीबी वाल्मीक कराड आरोपित है। संतोष देशमुख की हत्या के बाद वाल्मीक कराड फरार था लेकिन आज 22 दिन बाद वाल्मीक कराड ने पुणे के सीआईडी दफ्तर में सरेंडर कर दिया। इसके बाद भाजपा विधायक सुरेश धस और विधायक क्षीरसागर ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की थी। इसके बाद मुख्यमंत्री खुद पत्रकारों के समक्ष आए और उन्होंने इस संदर्भ में सरकार का पक्ष रखा। मुख्यमंत्री ने कहा उन्होंने पहले ही मामले की जांच सीआईडी को सौंप दिया है और सीआईडी निष्पक्ष जांच कर रही है। इस मामले सभी तरह के सबूतों को खंगाला जाएगा और सबूतों के आधार पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

छत्तीसगढ़ के सक्ती में छात्रा ने जीभ काटकर शिवलिंग को चढ़ाया, मंदिर में साधनापर बैठी

एजेंसी

कोरबा/सक्ती। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिला के डभरा थाना क्षेत्र में सोमवार की सुबह 11 वीं की एक छात्रा ने घर के पास स्थित शिव मंदिर में भगवान शंकर को अपनी जीभ काटकर अर्पित कर दी। इससे मंदिर में खून ही खून दिखाई दे रहा है। घटना के बाद से छात्रा लहूलुहान हालत में मंदिर में मौजूद है। बताया जा रहा है कि जीभ काटने के बाद छात्रा ने मंदिर में खुद को बंद कर लिया है और साधना में लीन हो गई है। पुलिस वालों को गांव के लोगों ने मंदिर के अंदर जाने नहीं दिया। जिला पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा ने घटना की पुष्टि की है।

डभरा थाना क्षेत्र के फोगरम चौकी के अंतर्गत देवरघटा गांव के अचारिपाली मोहल्ले में आज सुबह 7 बजे एक छात्रा ने घर के पास तलाब के किनारे बने भोले बाबा के मंदिर में अपनी जीभ को काट कर शिवलिंग में समर्पित कर दी। 16 वर्षीय छात्रा का नाम आरुषि चौहान है और वह 11 वीं में पढ़ती है। छात्रा ने कागज पर एक संदेश लिखा है, जिसमें उसने कहा है कि वह दो दिन बाद खुद बाहर आ जाएगी। साथ ही उसने किसी को भी मंदिर में शोरगुल और अंदर नहीं आने की चेतावनी दी है। उसने लिखा है कि अगर कोई अंदर आया तो वह खुद को मार डालेगी। परिजनों और गांववालों ने घटना के बाद मंदिर को घेर लिया है और किसी भी अधिकारी को अंदर जाने की अनुमति नहीं दे रहे हैं। छात्रा के माता-पिता को पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों के द्वारा समझाया गया और उसे अस्पताल ले जाने की बात की। लेकिन छात्रा के माता-पिता ने साफ इनकार कर दिया है।

संभल एएसआई सर्वेः बावड़ी का दूसरा तल, पत्थरों से बनी संरचनाएं एवं सीढ़ियां सामने आईं

चंदौसी के मोहल्ला लक्ष्मणगंज में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की टीम के निर्देशन में 11वें दिन खोदाई का कार्य

एजेंसी

जारीमुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के संभल जिले के चंदौसी स्थित मुस्लिम बहुल मोहल्ला लक्ष्मणगंज में मिली प्राचीन बावड़ी में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) का सर्वे एवं खोदाई का कार्य लगातार 11वें दिन मंगलवार को भी जारी रहा। एएसआई की टीम के निर्देशन में प्राचीन बावड़ी की खोदाई और मिट्टी हटाने का काम चल रहा है। आज बावड़ी का दूसरा तल, पत्थरों से बनी संरचनाएं व सीढ़ियां सामने आ गईं। चंदौसी नगर पालिका के 50 मजदूर शाम करीब 5 बजे तक बावड़ी की साफ-सफाई में लगे रहे। इसके बाद खोदाई रोक दी गयी। अब बुधवार को फिर खोदाई होगी।

नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी कृष्ण कुमार सोनकर ने बताया कि एएसआई की तीन सदस्यीय टीम और नगर पालिका के सहयोग से दर्जनों मजदूर बावड़ी की खोदाई में मंगलवार को भी जुटे रहे। बावड़ी के द्वितीय तल, पत्थरों से बनी संरचनाएं, सुरंगनुमा रास्ते और दर्जनों सीढ़ियां दिखाई देने लगी हैं। बावड़ी के कुएं और गलियारों की पूरी संरचना को साफ करने का कार्य जारी है। वहीं दो दिन पूर्व रविवार को बावड़ी में एक व्यक्ति के द्वारा शंखनाद करने और कुछ पंपलेट बांटने के बाद से पुलिस व पीएसी का पहरा सख्त हो गया है। स्थानीय प्रशसन ने बावड़ी परिसर में बाहरी लोगों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है।

पहल महाकुम्भ के यात्री रेलवे स्टेशनों पर नहीं खाएंगे धक्का-मुक्की

रेलकर्मियों की जैकेट पर लगे स्कैनर से बना सकेंगे टिकट

विभिन्नट्रेनों में टिकटों को लेने के लिए बेहतर सुविधा को बड़ी संख्या में काउंटरखोले गए

एजेंसी

प्रयागराज। महाकुम्भ में प्रयागराज आने-जाने श्रद्धालुओं और यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्थाएं की हैं। इसके लिए रेलवे ने जहां श्रद्धालुओं-यात्रियों को प्रयागराज, मिरजापुर और वाराणसी सहित आसपास के रेलवे स्टेशनों पर ट्रेनों और उनके रुकने, खान-पान सहित विभिन्न सुविधाएं मुहैया करायी हैं वहीं विभिन्नट्रेनों में टिकटों को लेने के लिए बेहतर सुविधा को बड़ी संख्या में काउंटर तो खोले ही गए हैं। इसके साथ ही रेलवे ने कर्मियों की जैकेट पर स्नैकर की विशेष सुविधा देकर अब आम यात्री तक टिकट पाने को बहुत ही आसान कर दिया है। यह प्रयागराज मण्डल की डिजिटल तकनीक के उपयोग से टिकटिंग प्रक्रिया को सरल और सुगम बनाने एक अभिनव पहल है।

सीपीआरओ शशि कांत त्रिपाठी ने मंगलवार को बताया कि महाकुम्भ के दौरान, रेलवे के वाणिज्य विभाग के कर्मयोगी प्रयागराज जंक्शन पर विशेष ड्यूटी पर तैनात रहेंगे और हरे रंग की जैकेट पहनेंगे। इन जैकेट्स के पीछे एक क्यूआर कोड अंकित होगा, जिसे श्रद्धालु अपने मोबाइल से स्कैन कर सीधे यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड कर सकते हैं। यह ऐप यात्रियों को बिना लाइन में खड़े अनारक्षित टिकट बुक करने की सुविधा प्रदान करेगा। इस विशेष पहल से श्रद्धालु रेलवे स्टेशन पर भीड़ और लम्बी लाइनों से बचते हुए सहजता से टिकट प्राप्त कर सकेंगे। डिजिटल भुगतान के माध्यम से टिकट बुकिंग की यह प्रक्रिया न केवल समय की बचत करेगी, बल्कि महाकुम्भ के दौरान आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को परेशानी मुक्त अनुभव प्रदान करेगी।

रेलवे कर्मी हरे रंग की जैकेट पहनकर स्टेशन और विभिन्न महत्वपूर्ण स्थानों पर अपनी सेवाएं देंगे, जिससे श्रद्धालुओं को टिकट बुकिंग सम्बंधित सहायता हर जगह मिल सके। क्यूआर कोड स्कैन करने पर एक लिंक मिलेगा, जो सीधे यूटीएस ऐप पर ले जाएगा। इसके माध्यम से यात्री टिकट बुकिंग के साथ-साथ अन्य सुविधाओं का भी लाभ उठा सकते हैं।

उत्तर मध्य रेलवे की यह पहल डिजिटल इंडिया की दिशा में एक कदम और महाकुम्भ 2025 में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए एक बड़ी राहत साबित होगी। रेलवे का यह प्रयास तीर्थयात्रियों के अनुभव को और भी यादगार बनाएगा।

जनवरी में 100वें प्रक्षेपण की तैयारी, एनवीएस-02 उपग्रह की होगी लॉन्चिग : इसरो प्रमुख सोमनाथ

एजेंसी

श्रीहरिकोटा । स्पेस डॉकिंग एक्सपेरीमेंट (स्पैडेक्स) की सोमवार रात सफल लॉन्चिंग के बाद इंडियन स्पेस रिसर्च ऑगेर्नाइजेशन (इसरो) प्रमुख सोमनाथ ने कहा कि जनवरी में एनवीएस-02 उपग्रह को जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (जीएसएलवी) पर लॉन्च करने की तैयारी चल रही है। स्पैडेक्स की लॉन्चिंग को मील का पत्थर बताते हुए उन्होंने कहा कि अगले साल 100वें प्रक्षेपण की तैयारी चल रही है। जनवरी में एनवीएस-02 उपग्रह को जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (जीएसएलवी) पर लॉन्च किया जाएगा। यह मिशन अगले साल के लिए निर्धारित मिशनों में से एक है।

इसरो प्रमुख सोमनाथ ने कहा कि 29 मई, 2023 को जीएसएलवी-एफ12 रॉकेट ने एनवीएस-01 उपग्रह को जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (जीटीओ) में सफलतापूर्वक लॉन्च किया था। एनवीएस-01 उपग्रह में एक स्वदेशी परमाणु घड़ी है, जो नैविगेशन विद इंडियन कॉन्स्टेलेशन (एनएवीआईसी) की क्षमताओं को बढ़ाती है। एनवीएस-02 मिशन इस प्रगति को जारी रखने की उम्मीद है, जो उन्नत सुविधाओं के साथ एनएवीआईसी प्रणाली को और मजबूत करेगा।इसरो प्रमुख ने चंद्रयान-4 मिशन के बारे में भी जानकारी दी, जिसमें विभिन्न मॉड्यूल शामिल हैं, जिन्हें अलग-अलग समय पर लॉन्च किया जाएगा और दो अलग-अलग मॉड्यूल में एकीकृत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन मॉड्यूल को कक्षा में पहुंचने और फिर पृथ्वी की कक्षा और चंद्रमा की कक्षा दोनों में डॉक करने की आवश्यकता है। अंतिम डॉकिंग प्रक्रिया 7 जनवरी को पूरी होने की उम्मीद है।

विश्व बंधुत्व की भावना से ही बनेगा वैश्विक परिवार

महात्मा गांधी के पसंदीदा भजन– वैष्णव जन तो तेने कहिये जे पीड़ परायी जाणे रे अर्थात दूसरों की पीड़ा समझने वाला ईश्वर के समान होता है– इसे भारत सही अर्थों में चरितार्थ कर रहा है। भारत हमेशा से विश्व बंधुत्व की भावना के सिद्धांत को अपनाकर उसी मार्ग पर चलाता आ रहा है। भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जो हमेशा से सभी को साथ लेकर चलने का प्रयास करता रहा है। दुनिया के किसी भी देश में कैसा भी संकट आया हो भारत उसके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा नजर आता है। इसी को कहते हैं विश्व बंधुत्व की भावना। वैश्विक परिवार दिवस यदि दुनिया का कोई देश सही मायने में मनाता है तो वह भारत ही हैं। भारत में आज भी अतिथि देवो भव की भावना जिंदा है। यहां के लोग स्वयं भूखे रहकर अतिथियों को भोजन करवाना अपना परम धर्म समझते रहे हैं। वैश्विक परिवार का अर्थ है वसुधैव कुटुम्बकम इसका मूल सिद्धांत यह है कि संपूर्ण मानवता एक परिवार है।

इस विचारधारा के अनुसार, प्रत्येक व्यक्ति चाहे वह किसी भी राष्ट्र, जाति, या धर्म से हो, एक ही व्यापक परिवार का हिस्सा है। इस सिद्धांत के अनुसार, विश्व में सभी का समान महत्व है और हर किसी को समान सम्मान मिलना चाहिए। दुनिया भर में लोग नए साल की पहली सुबह का आनंद उठाते हैं। लोग अपने दोस्तों, परिवार और करीबी लोगों के इस खास दिन का जश्न मनाते हैं। नए साल के साथ ही साल के पहले दिन यानी एक जनवरी को वैश्विक परिवार दिवस भी मनाया जाता है। हर साल एक जनवरी को मनाए जाने वाले इस दिवस के जरिए परिवारों के माध्यम से राष्ट्रों और संस्कृतियों में एकता, समुदाय और भाईचारे की भावना पैदा करता है। दुनिया में शांति बनाए रखने के लिए जरूरी है कि एक परिवार का निर्माण हो। ताकि विश्व में शांति की स्थापना होने के साथ ही हिंसा भी कम की जा सकें। जब पूरी दुनिया नए साल का जश्न मनाती है। उसी दिन पूरे विश्व में वैश्विक परिवार दिवस मनाया जाता है। ताकि विश्व में रहने वाले सभी लोग एक परिवार की तरह रहें। इस तरह विश्व के सभी राष्ट्रों और समुदाय में भाईचारे की भावना पैदा हो सके। वैश्विक परिवार दिवस जिसे विश्व शांति दिवस के रूप में भी जाना जाता है। दुनिया में सद्भाव और एकता की अवधारणा को बढ़ावा देने के लिए हर साल मनाया जाता है। यह दुनिया के एक वैश्विक गांव के विचार पर जोर देता है। जिसमें नागरिकता, सीमा या नस्ल की परवाह किए बिना हम सभी एक परिवार हैं।

एक खुशहाल परिवार वह नहीं है जिसमें हर कोई एक दूसरे सा सोचता, काम करता, महसूस करता या व्यवहार करता हो। एक खुशहाल परिवार की एक पहचान यह है कि पूरा परिवार एक दूसरे को वैसे ही स्वीकार करता हैं। यह दिन पूरे विश्व को एक परिवार मानता है। वैश्विक परिवार दिवस को शांति और साझाकरण के वैश्विक दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य बहुसंस्कृतिवाद, बहुलवाद को बढ़ावा देना और शांति और सद्भाव के साथ एक–दूसरे के साथ रहना सिखाना है। यह दिन विश्व के एक वैश्विक परिवार होने के विचार को बढ़ावा देता है। इसका उद्देश्य एकजुट होना और इस विचार को बढ़ावा देकर शांति का संदेश फैलाना है कि पृथ्वी एक वैश्विक परिवार है। ताकि दुनिया को सभी के लिए रहने के लिए एक बेहतर जगह बनाया जा सके। वैश्विक परिवार दिवस की उत्पत्ति दो पुस्तकों में हुई थी। पहली 1996 में अमेरिकी लेखकों स्टीव डायमंड और रॉबर्ट एलन सिल्वरस्टीन द्वारा लिखित वन डे इन पीस 1 जनवरी 2000 नामक बच्चों की किताब थी। वहीं दूसरी किताब अमेरिकी शांति कार्यकर्ता और लेखक लिंडा ग्रोवर का 1998 का यूटोपियन उपन्यास ट्री आइलैंडरू ए नॉवेल फॉर द न्यू मिलेनियम थी। विशेष रूप से ग्रोवर ने 1 जनवरी को शांति के वैश्विक दिवस के रूप में स्थापित करने काफी अहम भूमिका निभाई थी। इन किताबों के विचारों के आधार पर ही 1997 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1 जनवरी को शांति का एक दिन मनाने की घोषणा की। बाद में 1999 में संयुक्त राष्ट्र और इसके सदस्य देशों ने पहली बार वैश्विक परिवार दिवस मनाया गया। इस दिवस की सफलता को देखते हुए साल 2001 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इस दिन को एक वार्षिक कार्यक्रम के रूप में स्थापित किया। इसके बाद से हर साल एक जनवरी को वैश्विक परिवार दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। नए साल की शुरुआत के साथ ही इस दिन को मनाने का मकसद एक ऐसे समाज की स्थापना करने का प्रयास है जहां सिर्फ शांति हो। हालांकि यह एक नई शांतिपूर्ण दुनिया की शुरुआत थी और 1999 में सभी संयुक्त राष्ट्र सदस्य देशों को शांति निर्माण की दिशा में रणनीति विकसित करने के लिए उस विशेष वर्ष के पहले दिन को औपचारिक रूप से समर्पित करने का निमंत्रण मिला। इस दिन के सकारात्मक प्रभाव को देखते हुए 2001 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा वैश्विक परिवार दिवस को एक वार्षिक कार्यक्रम घोषित किया गया। पहला वैश्विक परिवार दिवस पहली बार वर्ष 2000 में एक जनवरी को देखा गया था। तब से हर साल नए साल के पहले दिन को वैश्विक परिवार दिवस के रूप में मनाया जाता है।

नए साल के आगाज के साथ वैश्विक परिवार दिवस भी मनाया जाता है। वैश्विक परिवार दिवस हर साल एक जनवरी को मनाने का मुख्य उद्देश्य दुनिया के सभी देशों, धर्मों के बीच शांति की स्थापना करते हुए युद्ध और अहिंसा को टालना है। साथ ही यह भी कोशिश है कि आपसी मतभेदों को बात–चीत के जरिए से निपटाया जाए और एक शांतिपूर्ण समाज की स्थापना की जा सके। इस दिन के लिए परिवार को काफी अहम माना गया है। क्योंकि परिवार के जरिए ही विश्व में शांति स्थापित की जा सकती है। वैश्विक परिवार दिवस मनाने का सबसे अच्छा तरीका अपने परिवार के साथ दिन बिताना है। इस दिन लोग एक साथ रात्रिभोज की योजना बनाते हैं और अन्य पारिवारिक गतिविधियों का आनंद लेते हैं जो उनके बंधन को मजबूत करते हैं और शांति को बढ़ावा देते हैं। परिवार के साथ मनोरंजक गतिविधियों में एक साथ शिविर लगाना या एक साथ खाना बनाना, पिकनिक पर जाना, ट्रेक और बहुत कुछ शामिल हो सकता है। इस दिन को समुदाय के हिस्से के रूप में मनाने के लिए आप उन संगठनों के लिए स्वयंसेवक बन सकते हैं जो समुदाय का निर्माण करते हैं, हिंसा को कम करते हैं और अपने परिवार के साथ सुरक्षा को बढ़ावा देते हैं। आप वैश्विक शांति की दिशा में प्रयासों के बारे में कोई भी फिल्म देख सकते हैं।

दिल्ली चुनावों पर ‘रेवड़ी कल्चर’ का खतरनाक साया

ललित गर्ग

दिल्ली विधानसभा चुनाव जैसे–जैसे नजदीक आ रहे हैं, राजनीतिक सरगर्मी उग्र से उग्रत्तर होती जा रही है। आम आदमी पार्टी मतदाताओं को लुभाने की कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है। चुनाव से पहले अब आम आदमी पार्टी ने एक ऐसी लुभावनी, मतदाताओं को आकर्षित करने की योजना की घोषणा की है जिसके अन्तर्गत मंदिरों के पुजारियों और गुरुद्वारा साहिब के ग्रंथियों को 18 हजार रुपए महीने दिए जाएंगे। इस योजना का नाम पुजारी–ग्रंथी योजना है। मुस्लिम धर्म एवं उनके अनुयायियों को रिझाते–रिझाते एकदम से केजरीवाल को हिन्दू धर्म के पुजारी एवं सिख धर्म के ग्रंथी क्यों याद आ गये? विडम्बना है कि विभिन्न राजनीतिक दल मतदाताओं को लुभाने के लिए मुफ्त उपहार बांटने, तोहफों, लुभावनी घोषणाएं एवं योजनाओं की बरसात करने का माध्यम बनते जा रहे हैं। बजट में भी ‘रेवड़ी कल्चर’ का स्पष्ट प्रचलन लगातार बढ़ रहा है, खासकर तब जब उन राज्यों में चुनाव नजदीक हों। ‘फ्रीबीज’ या मुफ्त उपहार न केवल भारत में बल्कि पूरी दुनिया में वोट बटोरने का हथियार हैं। यह एक राजनीतिक विसंगति एवं विडम्बना है जिसे कल्याणकारी योजना का नाम देकर राजनीतिक पार्टियां राजनीतिक लाभ की रोटियां सेंकती है। अरविन्द केजरीवाल ने तो दिल्ली में अपनी हार की संभावनाओं को देखते हुए सारी हदें पार कर दी है। बात केवल आम आदमी पार्टी, कांग्रेय या भाजपा की ही नहीं है, बल्कि हर राजनीतिक दल सरकारी खजानों का उपयोग आम मतदाता को अपने पक्ष में करने के लिये करता है।

‘मुफ्त की सौगात’ राजनीतिक फायदे के लिए जनता को दाना डालकर फंसाने वाली पहल है, एक तरह से दाना डालकर मछली पकड़ने जैसा है। ऐसी सौगातें सिर्फ गरीबों के लिए नहीं बल्कि सभी के लिए होती है, जिसके पीछे आम आदमी पार्टी के संयोजक जैसे राजनेताओं का एकमात्र उद्देश्य देश में अपनी और अपनी पार्टी का प्रभुत्व स्थापित करना है। केजरीवाल के द्वारा चुनावों में मुफ्त की घोषणाएं करना कोई नया चलन नहीं है। अपने देश में रेवड़ियां बांटने का वादा और फिर उन पर जैसे–तैसे और अक्सर आधे–अधूरे ढंग से अमल का दौर चलता ही रहता है। लोकलुभावन वादों को पूरा करने की लागत अंततः मतदाताओं को खासकर करदाताओं को ही वहन करनी पड़ती है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने भी मुफ्त रेवड़ियां बांटने के चलन पर गंभीर चिंता जताई थी। नीति आयोग के साथ रिजर्व बैंक भी मुफ्त की रेवड़ियों पर आपत्ति जता चुका है, लेकिन राजनीतिक दलों पर कोई असर नहीं। कई बार तो वे अपात्र लोगों को भी मुफ्त सुविधाएं देने के वादे कर देते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी कुछ समय पहले उन दलों को आड़े हाथों लिया था,

जो वोट लेने के लिए मुफ्त की रेवड़ियां देने के वादे करते हैं। उनका कहना था कि रेवड़ी बांटने वाले कभी विकास के कार्यों जैसे रोड, रेल नेटवर्क आदि का निर्माण नहीं करा सकते। वे अस्पताल, स्कूल और गरीबों के घर भी नहीं बनवा सकते। यदि कोई नेता या राजनीतिक दल गरीबों को कोई सुविधा मुफ्त देने का वादा कर रहा है तो उसे यह भी बताना चाहिए कि वह उसके लिए धन कहां से लाएगा? अनेक अर्थशास्त्री मुफ्त उपहार बांटकर लोगों के वोट खरीदने की खतरनाक प्रवृत्ति के प्रति आगाह कर चुके हैं, लेकिन उनकी चिंताओं से नेता बेपरवाह हैं। वे यह देखने को तैयार ही नहीं कि अनाप–शनाप चुनावी वादों को पूरा करने की कीमत क्या होती है और उनसे आर्थिक सेहत पर कितना बुरा असर पड़ता है।

रेवड़ी संस्कृति अर्थव्यवस्था को कमजोर करने के साथ ही आने वाली पीढ़ियों के लिए घातक भी साबित होती है। इससे मुफ्तखोरी की संस्कृति जन्म लेती है। मुफ्त की सुविधाएं पाने वाले तमाम लोग अपनी आय बढ़ाने के जतन करना छोड़ देते हैं। दिल्ली में महिलाओं एवं किन्नरों को भी डीटीसी बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा की घोषणाएं की गयी है, जिन्हें इस तरह की सुविधा की जरूरत नहीं। आधी आबादी को मुफ्त यात्रा की सुविधा देने से दिल्ली में डीटीसी को हर साल करोड़ों रुपये तक का नुकसान हुआ है। इस राशि का उपयोग दिल्ली के इन्फ्रास्ट्रक्चर पर किया जा सकता है। लेकिन केजरीवाल ने ऐसी विकृत राजनीति को जन्म दिया है, जिसमें विकास पीछे छूट गया है। राजनीतिक दलों में ऐसी ‘मुफ्त की संस्कृति’ की प्रतिस्पर्धा का परिणाम अनुसंधान एवं विकास व्यय, स्वास्थ्य व शिक्षा व्यय और रक्षा व्यय में कमी के रूप में देखने को मिले तो कोई आश्चर्य नहीं है। पिछले दस वर्षों में दिल्ली का विकास ठप्प है। हम दक्षिण कोरिया के रास्ते पर चलकर भविष्य में एक विकसित अर्थव्यवस्था बनेंगे या हमेशा एक ‘विकासशील राष्ट्र’ बने रहेंगे, यह हमारे द्वारा अभी चुने गए विकल्पों से निर्धारित होगा। ऐसी मुफ्त की सुविधा, सम्मान एवं लोकलुभावन की घोषणाओं से कहीं हम पाकिस्तान एवं बांग्लादेश की तरह अपनी अर्थ–व्यवस्था को रसातल में न ले जाये? आप सुप्रीमो ने केवल आप सरकारों बल्कि विपक्षी दलों को अपने राज्यों में पुजारियों–ग्रंथियों को सम्मान राशि देने जैसे परियोजनाएं शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा है कि वे नई योजना में बाधा न डालें, ऐसा करके वे भगवान को क्रोधित करेंगे। भला राजनीतिक स्वार्थ की रोटियों के बीच भगवान कहां से आ गये? शिक्षा एवं चिकित्सा जैसी मूलभूत योजनाएं तो ठीक से चला नहीं पाते, अच्छे–भले सम्पन्न एवं निष्कंटक जीवन का निर्वाह करने वाले लोगों के लिये मुक्त की सुविधाएं कैसे कल्याणकारी हो सकती है? पंजाब विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी ने महिलाओं को नगद राशि देने की घोषणा की थी, क्या हुआ उस योजना का?

दिल्ली में 250 से अधिक इमामों को 17 महीने से अधिक समय से वेतन नहीं मिला है। मुफ्त बिजली एवं पानी देने की घोषणाएं भी ठण्डे बस्ते में चली गयी। ऐसी अनेक घोषणाएं हैं जो चुनावी मुद्दा तो बनती है, मतदाताओं को लुभाती है, लेकिन चुनाव जीतने के बाद धरती पर उतरती कभी नहीं। सभी राजनीतिक दलों की बड़ी लुभावनी घोषणाएं होती हैं, घोषणा पत्र होते हैं–जनता को पांच वर्षों में अमीर बना देंगे, हर हाथ को काम मिलेगा, सभी के लिए मकान होंगे, सड़कें, स्कूल–अस्पताल होंगे, बिजली और पानी, हर गांव तक बिजली पहुंचाई जायेगी, शिक्षा–चिकित्सा निःशुल्क होगी। ये राजनीतिक घोषणाएं पांच साल में अधूरी ही रहती है, फिर चुनाव की आहट के साथ रेवडियां बांटने का प्रयत्न किया जाता है, कितने ही पंचवर्षीय चुनाव हो गये और कितनी ही पंचवर्षीय योजनाएं पूरी हो गईं पर यह दुनिया का आठवां आश्चर्य है कि कोई भी लक्ष्य अपनी समग्रता के साथ प्राप्त नहीं हुआ। खुशहाल देश और समाज वही माना जाता है, जहां लोग निजी उद्यम से अपने गुजर–बसर संबंधी सुविधाएं जुटाते हैं। खैरात पर जीने वाला समाज विपन्न ही माना जाता है। लोग भी यही चाहते हैं कि उन्हें कुछ करने को काम मिले। इसी से उन्हें संतोष मिलता है। मगर हकीकत यह है कि देश में नौकरियों की जगहें और रोजगार के नए अवसर लगातार कम होते गए हैं। सरकारों की तरफ से ऐसे अवसरों को बढ़ाने के व्यावहारिक प्रयास न होने की वजह देश एवं प्रांत समग्र एवं चहुंमुखी विकास की ओर अग्रसर नहीं हो पाते हैं। सरकारें अपनी इस नाकामी एवं कमजोरी पर पर्दा डालने के लिए मुफ्त सहायता देने की परंपरा विकसित कर ली है। चाहे वह मुफ्त राशन हो, बेरोजगारी भत्ता हो या फिर महिलाओं को वजीफा हो, मुक्त बिजली–पानी हो, मुफ्त चिकित्सा हो, मुफ्त यात्रा हो, पुजारियों, मौलवियों एवं ग्रंथियों को मुफ्त वेतन हो– इस मामले में किसी भी राजनीतिक दल की सरकार पीछे नहीं है। अब तो इस मामले में जैसे एक–दूसरे को पछाड़ने की होड़–सी नजर आने लगी है। सवाल है कि सरकारें इस पहलू पर कब विचार करेंगी कि हर हाथ को काम मिले, रोजगार बढ़े, स्वरोजगार की स्थितियां बनें। इस तरह देश साधन–सम्पन्न लोगों में मुफ्तखोरी की आदत डालना सही नहीं है। मुफ्तखोरी की राजनीतिक से लोकतंत्र को खतरा हो सकता है और इससे देश का आर्थिक बजट लडखड़ाने का भी खतरा है।

हिंदी पत्रकारिता का वर्तमान परिदृश्य : विविध संदर्भ

प्रमोद दीक्षित मलय

समाचार पत्र हमारे दैनंदिन जीवन के अभिन्न अहम हिस्सा बन चुके हैं। हममें से प्रत्येक व्यक्ति के दिन का आरंभ चाय और समाचार पत्र के साथ होता है। ये समाचार पत्र ही हैं जो हमें समाज, देश और दुनिया से जोड़ते हैं। ये न केवल पिछले दिन हुई घटनाओं–दुर्घटनाओं, शैक्षिक–साहित्यिक आयोजनों, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक समारोहों, सामाजिक गोष्ठियों के जीवंत दृश्य समाचार एवं रिपोर्ट के माध्यम से हम तक पहुंचाते हैं बल्कि समाज जीवन के विभिन्न क्षेत्र से जुड़े विविध विषयों को सहेजे लेखों से मन–मस्तिष्क को तृप्त और संतुष्ट भी करते हैं। इतना ही नहीं ये हमें शब्द–संपदा और विचार से समृद्ध भी करते हैं। विविध संदर्भ समाहित किए हिंदी पत्रकारिता का वर्तमान परिदृश्य उस सोच और स्वप्न पर मुहर लगाता है जिसकी कल्पना आज से लगभग 200 वर्ष पूर्व की गई थी। हिंदी पत्रकारिता का विस्तार और विकास निरंतर फैल रहा है। देश में एक सर्वे के अनुसार हिंदी के समाचार पत्र सर्वाधिक पढ़े जाने वाले समाचार पत्रों की सूची में शीर्ष क्रम में गण्य हैं। समाचार पत्र और पत्रिकाओं ने हिंदी के विकास, संरक्षण और संवर्धन में भी महती भूमिका निभाई है। आज भारत में हिंदी पट्टी के अतिरिक्त अहिंदीभाषी राज्यों एवं विश्व के अनेक देशों से हिंदी के समाचार पत्र प्रमुखता से प्रकाशित हो रहे हैं, और पत्रिकाएं भी। केन्द्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, राज्य सरकारों के विभागों, भारतीय राजदूतावास कार्यालयों द्वारा हिंदी पत्रिकाओं के मासिक से अर्धवार्षिक अवधि के अंक प्रकाशित किये जा रहे हैं, जो पाठक की मानसिक क्षुधा को शांत कर रहे हैं। वर्तमान में प्रकाशित हो रहे समाचार पत्र एवं पत्रिकाओं में समाचार के अलावा अन्य सामग्री में पर्याप्त विविधता है। लेख, कार्टून, व्यंग्य, फीचर, आर्थिकी, वन एवं पर्यावरण, फोटो पत्रकारिता, खेल, विज्ञान, राजनीति, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं प्रौद्योगिकी–तकनीकी, धर्म–संस्कृति, लोक–भाषा बोली, साहित्य की विभिन्न विधागत रचनाएं, महिला एवं बाल साहित्य, कृषि एवं पशुपालन, कला, रंगकर्म एवं सिनेमा पर प्रचुर सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। अगर समाचार संचार माध्यमों के विस्तार की बात करें तो मुद्रित पत्र–पत्रिकाओं के अलावा ई–पेपर एवं मैगजीन ने भी अपना स्थान सुरक्षित किया है। विभिन्न टीवी चैनलों, यू–ट्यूब चैनलों, वाट्सएप एवं इंस्टाग्राम के माध्यम से समाचार, चित्र एवं वीडियो त्वरित गति से पूरी दुनिया में प्रसारित हो जा रहे हैं। इंटरनेट की सुविधा से लगता है कि जैसे सम्पूर्ण विश्व व्यक्ति की हथेली में सिमट आया है और और एक स्पर्श पर सम्मुख प्रकट हुआ जा रहा है। हिन्दी पत्रकारिता की यह यात्रा सख्त चुनौतियों, बाधाओं से भरी हुई थी। मुझे लगता है कि पाठकों तक पत्रकारिता के विकास यात्रा की झांकी प्रस्तुत करना न केवल समीचीन एवं प्रासंगिक है बल्कि उसको सूचनात्मक दृष्टि से पुष्टि प्रदान करने वाला है।

मानव सभ्यता की विकास यात्रा में, जब वह गिरि–कानन में विचरण कर रहा था, तब भी परस्पर सूचनाओं के प्रसार एवं संप्रेषण हेतु भौगोलिक दृष्टि से कुछ चिह्नांकन किए हैं जो आज भी गुफाओं में चित्रों के रूप में उपलब्ध होते हैं। अगर पत्रकारिता का सामान्य अर्थ संदेशों या घटनाओं के समाचार को दूसरों तक पहुंचाने के अर्थ में लिया जाए तो गुफाओं में अंकित पाषाणकालीन चित्र यही तो अभिव्यक्त करते हैं। संवाद सम्प्रेषण का यह उनका अपना तौर–तरीका रहा होगा। आगे चलें तो पाते हैं कि 131 ई.पू . रोम में पत्थर और धातु की पट्टियों पर उत्कीर्ण कुछ संदेश स्थान विशेष पर एक व्यक्ति की निगरानी में रखे जाते थे ताकि आमजन उन्हें देख–समझ सकें। 15वीं शताब्दी में छपाई की मशीन बनाई गई और धातुओं के अक्षरों का आविष्कार हुआ। इस तरह से, वर्ष 1605 में यूरोप से 'रिलेशन' नामक पहला मुद्रित समाचार पत्र निकला। भारत के संदर्भ में बात करें तो विभिन्न शिलालेखों, ताम्रपत्रों पर उत्कीर्ण राज्यादेश और अन्य संदेश प्रजा तक पहुंचाना अभीष्ट रहा, बाद में भोजपत्रों में संदेश और साहित्य अंकित किया जाने लगा। ये पत्रकारिता के अंतर्गत न आते हुए भी संदेश, साहित्य एवं समाचारों को दूसरों तक पहुंचाने के सहज संवाहक बने ही। भारत में पहली प्रिंटिंग मशीन सन 1674 में आई और ईस्ट इंडिया कंपनी में कार्यरत विलेम बॉल्ट्स ने सन 1776 में पहला अखबार प्रकाशित किया जिसमें केवल ईस्ट इंडिया कंपनी से सम्बंधित निजी प्रयोग के समाचार थे। वर्ष 1780 में जेम्स ऑगस्ट्स हिकी द्वारा प्रकाशित दो पन्ने का अखबार 'बंगाल गजट' ऐसा पहला अखबार कहा जा सकता है जिसमें समाचारों में विविधता और स्वतंत्रता थी। पर यह अखबार शासकों के विरुद्ध कतिपय समाचार छापने के कारण संपादक को जेल भेज और जुर्माना लगाकर बंद करवा दिया गया। पर समय कहां रुकता है, उसकी नियति सतत गतिशीलता ही है। 30 मई, 1826 ही वह दिन है जब भारत के समाचार प्रकाशन जगत में भारत के पहले हिंदी समाचार पत्र 'उदंत मार्तण्ड' का जन्म हुआ। कानपुर निवासी पेशे से वकील पं. जुगल किशोर शुक्ल ने कलकत्ता से दो रुपए वार्षिक शुल्क का साप्ताहिक पत्र निकाला। पर अर्थाभाव के कारण एक साल बाद ही बंद हो गया। उसके बाद से मंद गति से ही सही पर अखबार निकलते रहे, बंद होते रहे। शुरुआती अखबारों में राजा राममोहन राय का 1830 में बंगदूत, राजा शिवप्रसाद का 1846 में बनारस अखबार, भारतेंदु हरिश्चंद्र का 1873 में हरिश्चंद्र मैगजीन, 1895 में नागरी प्रचारिणी पत्रिका, 1900 में सरस्वती आदि का नामोल्लेख किया जा सकता है, किंतु इनके अलावा भी तमाम पत्र प्रकाशित हो रहे थे। राष्ट्रीयता–उन्मेष, सामाजिक दायित्व, युगीन प्रवृत्तियों तथा अंग्रेजी शासन के विरोध का स्वर सहेजे वे समाचार पत्र अंग्रेजी शासन की दमन नीति का शिकार भी हुए। अंग्रेजी शासन द्वारा संपादकों को जेल भेजने, जुर्माना लगाने और प्रेस जब्त करने के अनेकानेक उदाहरण इतिहास के पृष्ठों में अंकित हैं। पर समाचार पत्र के माध्यम से समाज जागरण और राष्ट्रीय एकता–अखंडता का न भाव मरा और न ही लेखनी की स्याही सूखी। संघर्ष एवं बलिदान से देश को स्वतंत्रता मिली और अखबारों को विस्तार का व्यापक फलक। आज हिंदी के हजारों समाचार पत्र और पत्रिकाएं पाठकों तक पहुंच उन्हें सजग, सचेत और समृद्ध कर रहे हैं। समाचार पत्रों का यह परिदृश्य और व्यापकता के साथ लोक चेतना में अपनी सशक्त भूमिका का निर्वहन करें, यही कामना है।

(लेखक शिक्षक एवं शैक्षिक संवाद मंच के संस्थापक हैं।)

महिलाओं के प्रति बहुत क्रूर और असंवेदनशील है तालिबान

मनोज कुमार अग्रवाल

तालिबान सुधरने को तैयार नहीं है महिलाओं के प्रति तालिबान की सोच सोलहवीं शताब्दी से बाहर नहीं निकल पाए रही है हाल ही में तालिबान ने एक के बाद एक ऐसे प्रतिबंध जारी किए हैं जिनमें महिलाओं को पुरुषों की तुलना में बहुत निचले दर्जे का नागरिक व लैंगिक भेदभाव की शिकार बनाया जा रहा है। आपको बता दें कि क्रूरता और खून खराबे के बाद अफगानिस्तान की सत्ता हासिल करने वाले तालिबान ने महिलाओं की जिंदगी नरक बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। क्रूर शासन के लिए जाने जाने वाले तालिबानी राज में जिस प्रकार से महिलाओं पर अत्याचार बढ़ता जा रहा है, वह पूरे वैश्विक समाज के लिए चिंता का विषय होनी चाहिए, क्योंकि अफगानिस्तान पर जब से तालिबान ने कब्जा किया है, तब से लेकर अब तक सबसे ज्यादा अगर किसी पर जुल्म हुआ है, तो वह महिलाएं ही हैं। इस देश में जिस प्रकार से महिलाओं पर एक के बाद एक प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं, उससे उनकी जिंदगी नर्क से भी बदतर होती जा रही है। हकिकत यह है कि यह देश महिलाओं के लिए नर्क के समान बनता जा रहा है, क्योंकि जिस प्रकार से उनको पाबंदियों के बेड़ियों में जकड़ा जा रहा है, उससे उनका सांस लेना भी दूभर होता जा रहा है। इस देश में महिलाओं के शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी अधिकारों को तालिबान ने सत्ता में वापसी के बाद से पहले ही सीमित कर दिया है। तालिबान का नया फरमान है कि अफगानिस्तान में छठी कक्षा से ऊपर की लड़कियों को निजी शिक्षा केंद्रों में जाने पर बैन लगा दिया है । तालिबान के प्रांतीय शिक्षा निदेशालय ने हाल ही में छठी कक्षा से ऊपर की लड़कियों को निजी शिक्षा केंद्रों में जाने से रोकने के लिए एक निर्देश जारी किया, जिससे अफगानिस्तान में महिला शिक्षा पर प्रतिबंध और कड़े हो गए है। हेरात में तालिबान के शिक्षा निदेशक रहमतुल्लाह जाबेर ने तालिबान के सर्वोच्च नेता हिबतुल्लाह अखुंदजादा के एक आदेश का हवाला देते हुए एक पत्र में निर्देश की पुष्टि की। पत्र में प्रांत भर के सभी निजी शिक्षा केंद्रों में छठी कक्षा से ऊपर की लड़कियों की शिक्षा पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया गया है। यह कदम तालिबान द्वारा लड़कियों की माध्यमिक और विश्वविद्यालय शिक्षा पर पहले लगाए गए प्रतिबंधों के बाद उठाया गया है, जिसके कारण कई लड़कियों ने भाषा कक्षाओं और कला कार्यक्रमों जैसे वैकल्पिक शिक्षण अवसरों की तलाश की। कई लोगों के लिए, ये केंद्र आशा और उद्देश्य की अंतिम शरणस्थली थे।

शिक्षा केंद्रों पर तालिबान के प्रतिबंध ने हेरात में लड़कियों की उम्मीदों को और तोड़ दिया। हेरात में लड़कियों और युवतियों का कहना है कि शिक्षा पर तालिबान के नवीनतम प्रतिबंध ने सीखने और आत्म– सुधार की उनकी बची हुई उम्मीदों को नष्ट कर दिया है। अब महिलाओं के बाहर की दुनिया देखने की आजादी पर भी रोक लगाने के लिए नया फरमान जारी किया है। इसके तहत नए बनने वाले घरों में खिड़कियां बड़कियां नहीं बनाई जाएंगी। नए फरमान के मुताबिक घरों में अब ऐसी खिड़कियां नहीं हो सकती हैं जिससे आंगन, रसोईघर, पड़ोसी का कुआं या महिलाओं के इस्तेमाल की जाने वाली किसी भी जगह की झलक दिखती हो। तालिबानी सोच के अनुसार महिलाओं को रसोईघर में काम करते हुए, बरामदे में आते–जाते या कुएं से पानी लेते हुए देखने पर अश्लील हरकतें होने की आशंका रहती है। अफगानिस्तान में तालिबान के सर्वोच्च नेता ने नए कानून की घोषणा करते हुए कहा है कि महिलाएं अगर घर से बाहर देखेंगी या फिर आते–जाते उनकी झलक गैर मर्दों को मिलेगी, तो इससे अश्लील हरकतें हो सकती हैं। अगर देखा जाए तो यह महिलाओं पर होने वाले जुल्मों का इंतहा है, क्योंकि सत्ता में आने के बाद से तालिबान ने पहले से ही कई प्रतिबंध लगा रखे हैं। उन्हें अपनी मर्जी से कपड़े पहनने और अकेले बाहर जाने तक की आजादी नहीं है। तालिबान के तरफ से महिलाओं से जुड़ा एक और आदेश जारी किया गया है, जिसके तहत महिला कर्मचारियों को काम पर रखने वाले सभी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय गैर–सरकारी संगठनों (एनजीओ) को बंद कर दिया जाएगा। यह कदम दो साल पहले दिए गए एक आदेश का विस्तार है, जब तालिबान ने अफगान महिलाओं को एनजीओ के कार्यों में शामिल होने से रोकते हुए उन्हें इस्लामी हिजाब सही तरीके से पहनने की शर्त पर काम करने की अनुमति दी थी। तालिबानी सरकार के अर्थव्यवस्था मंत्रालय ने हाल ही में एक पत्र जारी कर चेतावनी दी है कि यदि ये आदेश पालन नहीं किया गया, तो अफगानिस्तान में एनजीओ को काम करने के लिए दिया गया लाइसेंस रद्द कर दिया जाएगा। मंत्रालय ने कहा कि वह सभी राष्ट्रीय और विदेशी संगठनों की गतिविधियों का पंजीकरण, समन्वय, नेतृत्व और निगरानी करेगा। इस पत्र में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि तालिबान द्वारा नियंत्रित नहीं किए जाने वाले संस्थानों में महिला कर्मचारियों को काम पर रखने की गतिविधियों को बंद किया जाएगा, और ऐसे संस्थानों के लाइसेंस को रद्द कर दिया जाएगा। यह आदेश एनजीओ के कामकाजी ढांचे को और अधिक कड़ा बना देगा। तालिबान का यह कदम एनजीओ में महिला कार्यकर्ताओं की बढ़ती संख्या को प्रतिबंधित करने की ओर एक और बड़ा कदम है, जबकि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने पहले ही यह चिंता जताई थी कि तालिबान द्वारा महिला अफगान मानवीय कार्यकर्ताओं के काम में बाधा डाली जा रही है। इसके बावजूद तालिबान इन आरोपों से इंकार करता है कि वह राहत कार्यों में हस्तक्षेप कर रहा है। तालिबान ने पहले ही अफगान महिलाओं को कई सरकारी नौकरियों, सार्वजनिक स्थानों, और छठी कक्षा से ऊपर की शिक्षा से प्रतिबंधित कर दिया है। अगस्त, 2021 में जब से तालिबान सत्ता में लौटा है, तब से महिलाओं को धीरे–धीरे सार्वजनिक जगहों से हटाया जा रहा है। यह पहली बार नहीं हुआ जब खिड़कियों पर बैन लगाने जैसा कोई महिला विरोधी आदेश जारी किया गया है। इससे पहले कानून बनाया गया था कि महिलाएं घर से बाहर किसी भी सार्वजनिक स्थान पर चुप रहेंगी। यदि उन्हें किसी भी वजह से बोलना पड़ रहा है कि वह अपनी बात ऊंची आवाज करके नहीं बोल सकतीं। तालिबान सरकार ने घर के भीतर भी महिलाओं के लिए सख्त नियम बनाए गए हैं। महिलाओं के लिए कानून हैं कि वह घर के अंदर भी गाना नहीं गा सकतीं। इतना ही नहीं, वह जोर–जोर से कुछ पढ़ भी नहीं सकती है। महिलाओं को लेकर बनाए गए नियम में उन्हें सख्त हिदायत दी जा चुकी है कि वह टाइट कपड़े नहीं पहन सकतीं, उन्हें अपना पूरा शरीर ढक कर रखना होगा। इसके अलावा वह गैर मर्दों के सामने अपना शरीर ये चेहरा नहीं खुला रख सकतीं। उन्हें चेहरे को किसी मोटे कपड़े से ढकने का आदेश दिया गया है। कुछ स्थानीय टेलीविजन और रेडियो स्टेशन्स पर महिलाओं की आवाज के प्रसारण को भी बंद कर दिया गया है, यानी यहां इन टीवी और रेडियो चैनल्स पर सिर्फ पुरुष ही दिख सकते हैं और सुनाई दे सकते हैं। मार्च 2022 में कक्षा 6 और उससे ऊपर की लड़कियों को स्कूल जाने से रोक दिया गया था। उसी साल के अंत में महिलाओं को विश्वविद्यालयों में दाखिला लेने से प्रतिबंधित कर दिया गया, जिससे उच्च शिक्षा का रास्ता पूरी तरह से बंद हो गया। इस प्रतिबंध में इंजीनियरिंग, पत्रकारिता और यहां तक कि चिकित्सा जैसे विषयों पर भी पाबंदी लगाई गई थी। दुनिया भर में तालिबान को कट्टर धार्मिक विचारधारा और प्रतिगामी मूल्यों के वाहक के तौर पर ही जाना जाता है। मगर उम्मीद की जाती थी कि अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज होने के बाद उसके भीतर कुछ बदलाव आएगा और वह देश के समग्र विकास की दिशा में सोचेगा। अफसोस कि अब तक ऐसा कोई संकेत नहीं मिला है, उल्टे इस देश में प्रतिबंधों के द्वारा महिलाओं के जीवन को नर्क बनाया जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता पाने की इच्छा रखता है, लेकिन दूसरी ओर वह महिलाओं को पढ़ाई–लिखाई तक उन पर तरह–तरह का प्रतिबंध लगा रहा है। सवाल उठता है कि महिलाओं को अंधकार की खाई में धकेल कर आखिर तालिबानी कैसे समाज का निर्माण करना चाहते हैं। तालिबान अपनी महिलाओं को हर दायरे से बाहर रख कर भले अपनी तथाकथित परंपरा को बचा लेने का दावा करे, लेकिन हकीकत यह है कि इस तरह वहां एक अधूरा समाज बनेगा, जिसमें महिलाओं का जीवन दोयम दर्जे का होगा। कोई भी समाज महिलाओं को हाशिये पर रख कर मानवीय होने का दावा नहीं कर सकता। हालांकि तालिबानी सोच में कोई परिवर्तन नहीं आने वाला है। ऐसे में जरूरत है इस मुद्दे पर वैश्विक देश मुखर होकर तालिवानी हुकूमत का विरोध करें। जरूरत पड़ने पर महिलाओं को नर्क से निकालने के लिए वैश्विक स्तर पर सैन्य कार्रवाई भी की जाए। दुनिया में मानव अधिकार की दुहाई देने वाले संगठनों को भी जरूरत बनता है कि वह अफगानिस्तान की महिलाओं की मदद के लिए आगे आएं। संभव है कि वैश्विक दबाव में आने बाद शायद तालिवान के सोच में परिवर्तन आए, जिससे महिलाओं को उनका अधिकार मिल सकें।ऐसी तंग सोच के साथ तालिबान कब तक सत्ता में बना रहेगा और लैंगिक अत्याचार जारी रखेगा कहा नहीं जा सकता है तमाम दुनिया इस बदतमीजी भरी महिला दमन की पराकाष्ठा पर तमाशबीन बनी है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

संक्षिप्त समाचार

अज्ञात युवती का शिवसेना ने किया अंतिम संस्कार

चमकता राजस्थान। चित्तौड़गढ़। शहर कोतवाली थानान्तर्गत एक अज्ञात युवती की रेल की चपेट में आने से मृत्यु हो जाने और शिनाख्त नहीं होने से शिवसेना की ओर से अंतिम संस्कार किया गया।

प्राप्त जानकारी अनुसार बीएसएनएल ऑफिस के पीछे रेल की चपेट में आने से एक 22 वर्षीय युवती की मृत्यु हो गई। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुँची तथा आवशयक कार्यवाही कर शव को शिनाख्ती के लिए जिला चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया। प्रयास के बावजूद शिनाख्त नहीं होने पर अंतिम संस्कार के लिए शिवसेना जिला प्रमुख गोपाल वेद को सुपुर्द किया गया जिसका सिटी मोक्षधाम में अंतिम संस्कार किया गया।

इस दौरान थाने के एएसआई हरवीरसिंह, हेड कांस्टेबल गोपाल शर्मा, भारत विकास परिषद अध्यक्ष नवीन वर्डिया, कन्हैयालाल देवपुरा, पार्षद अनिल ईनाणी, किशन ओड़, कालुलाल मीणा, पुष्कर एणिया, संजय शिशोदिया, भेरूलाल शर्मा, पप्पू गुर्जर, इस्माइल भाई आदि उपस्थित रहे।

जोधपुर संभागीय आयुक्त डॉ सिंह फलोदी दौरे पर रही

- पुनरीक्षण कार्यक्रम-2025 के संदर्भ में की चर्चा

चमकता राजस्थान। अनिल पुष्करणा/फलोदी। डॉ. प्रतिभा सिंह, आई.ए.एस., संभागीय आयुक आज फलोदी दौरे पर रही ।

संभागीय आयुक्त (रोल पर्यवेक्षक) द्वारा विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम-2025 के संदर्भ में तृतीय भ्रमण के तहत विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 122-फलौदी के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी 122 फलौदी एस.डी. एम. फलौदी एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी तहसीलदार फलौदी के साथ चर्चा की गई । साथ ही मतदाता सूचियों के अंतिम प्रकाशन के संबंध में भी चर्चा की गयी।

इस अवसर पर निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी एस.डी.एम. फलौदी द्वारा बताया गया कि विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2025 के दौरान विभिन्न फॉर्म 14064 आवेदन पत्र प्राप्त हुए जिसमें से 13478 फॉर्म स्वीकृत किए गए । वही 586 फॉर्म निरस्त किए गए ।

नई जिला जेल के लिए 117 बिगा जमीन आवंटित

- उपकारापाल ने बोर्ड लगाया

चमकता राजस्थान। अनिल पुष्करणा/फलोदी। फलोदी के मलार मगरा पर नई जिला जेल के लिए आवंटित जमीन पर आज उप कारापाल की देखरेख में बोर्ड लगाया गया ।

वर्तमान में उपखंड अधिकारी कार्यालय परिसर में उप कारागृह संचालित हो रहा है जो फलोदी जिला बनने पर इस क्षेत्र में बड़ी जेल की आवशयकता को मद्देनजर रखते हुए । जिला जेल के लिए जमीन को आरक्षित किया गया है इस जमीन पर जिला जेल के बनने के पश्चात इस क्षेत्र के कैदियों को जोधपुर भेजने की आवशयकता खत्म हो जाएगी ।

प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य सरकार के निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा फलोदी जिला कारागृह को मिली नई जमीन आवंटित की गई है । फलोदी के मलार मगरा बिकानेर रोड़ पर नए जिला कारागृह फलोदी के लिए कुल रकबा 18.5 हैक्टेयर लगभग 117 बीघा जमीन आरक्षित की गई है जहां पर बोर्ड लगाये गये ।

नई जमीन पर उप कारापाल भवर सिंह के देख रेख में बोर्ड लगाते समय ओमप्रकाश, भुताराम, योगेन्द्र सहित कई प्रहरी मौजूद रहे। बताया जाता है कि प्रहरी ओमप्रकाश का रहा विशेष योगदान रहा है।

जांगिड़ बने भारतीय किसान मोर्चा के तहसील अध्यक्ष

चमकता राजस्थान /रघुनंदन पारीक। श्रीनगर /अजमेर/ नसीराबाद। श्रीनगर फारक्या के पूर्व सरपंच सत्यनारायण जांगिड़ को भारतीय किसान संघ के जिला अध्यक्ष लक्ष्मण गुर्जर ने किसानो के हित में कार्य करने की शपथ दिलाकर सत्यनारायण जांगिड़ को भारतीय किसान संघ का तहसील अध्यक्ष नियुक्त किया गया

मुख्यमंत्री का प्रदेशवासियों के नाम भावपूर्ण संदेश

नववर्ष में हम नई ऊर्जा और नए संकल्प के साथ विकसित राजस्थान की ओर होंगे अग्रसर : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

चमकता राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नववर्ष 2025 की पूर्व संध्या पर मंगलवार को प्रदेशवासियों के नाम एक पत्र लिखकर भावपूर्ण संदेश दिया है। अपने पत्र में मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2024 हमारे देश और राजस्थान के लिए अनेक उपलब्धियों और गर्व भरा रहा। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक मंच पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई। इस वर्ष 500 वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण हुआ और करोड़ों देशवासियों की अभिलाषा पूरी हुई।

राजस्थान के लिए भी वर्ष 2024 रहा उपलब्धियों भरा–

शर्मा ने कहा कि राजस्थान के लिए भी 2024 उपलब्धियों का वर्ष रहा। वर्षों से लंबित ईआरसीपी (पीकेसी) लिंक परियोजना की सौगात हमें इस वर्ष प्राप्त हुई। साथ ही, देवास परियोजना का काम शुरू होने तथा यमुना जल समझौते से प्रदेश के विकास और जल संकट के स्थाई समाधान का मार्ग प्रशस्त हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार बनते ही हमने युवाओं को पेपरलीक के अभिशाप से मुक्ति दिलाते हुए भर्ती माफिया तंत्र का अंत किया और पेपरलीक मुक्त परीक्षाओं का सफलतापूर्वक आयोजन किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने पहली बार भर्ती परीक्षाओं का 2 साल का कैलेंडर जारी करते हुए युवाओं को मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव के माध्यम से रोजगार भी प्रदान किए।

शर्मा ने कहा कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए हमने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का सफल आयोजन किया, जिसमें 35 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। इससे प्रदेश के औद्योगिक विकास को अभूतपूर्व गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भी राजस्थान देश का अग्रणी प्रदेश बना है। हमारे किसान भाइयों को वर्ष 2027 तक दिन में बिजली उपलब्ध करवाने के संकल्प को पूरा करने की दिशा में राज्य सरकार ने ऊर्जा क्षेत्र में 2 लाख 24 हजार करोड़ रुपये के एमओयू किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 9 ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस हाइवे बनाने के निर्णय से प्रदेश के विकास को नई दिशा मिलेगी। इन सभी निर्णयों और केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं से विकसित राजस्थान 2047 के लक्ष्य की नींव रखी गई है।

राज्य सरकार ने विभिन्न वर्गों के हित में लिए कई कल्याणकारी फैसले

शर्मा ने कहा राज्य सरकार ने राज्य के विभिन्न वर्गों के हित में कई कल्याणकारी फैसले लिए हैं। जिनमें किसानों की सम्मान निधि बढ़ाना, मातृवंदन योजना के तहत साढ़े चार लाख महिलाओं को सहायता, एक हजार नए आंगनबाड़ी केंद्र और बेटियों के उज्वल भविष्य के लिए लाडो प्रोत्साहन योजना शुरू करना तथा 450 रुपये में गैस सिलेंडर देने जैसे निर्णय शामिल हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना, मा वाउचर योजना और रामाश्रय वार्ड की स्थापना से हमने स्वास्थ्य क्षेत्र में नए मानदंड स्थापित किए हैं। साथ ही, 35 हजार जरूरतमंदों को जमीन के पट्टे, 1 लाख 80 हजार घरों के निर्माण की स्वीकृति तथा 10 लाख परिवारों को पेयजल कनेक्शन देकर उनके जीवन में बड़ा बदलाव लाने का प्रयास किया गया है।

उन्होंने कहा कि खेल जगत में भी इस वर्ष प्रदेश का नाम देश-दुनिया में रोशन हुआ। पेरिस पैरा ओलंपिक में हमारे प्रदेश के आठ खिलाड़ियों ने भाग लेकर तीन पदक जीते।

मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि वर्ष 2025 में सभी प्रदेशवासी नई ऊर्जा, नए संकल्प और नए उत्साह के साथ विकसित राजस्थान की ओर अग्रसर होंगे तथा नववर्ष प्रदेश के लिए उपलब्धियों भरा रहेगा।

सकारात्मक सोच के साथ बढ़े आगे, हर चुनौती का डट कर करें मुकाबला, सफलता अवश्य मिलेगी : देवनानी

नए वर्ष में नए रंग के साथ हाईटेक दिखेगा राजस्थान विधानसभा का सदन

चमकता राजस्थान

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने नव वर्ष-2025 की प्रदेशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा है कि नये वर्ष का नये उत्साह के साथ स्वागत करें। जीवन में लक्ष्य तय करके सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़े और हर चुनौती का डटकर मुकाबला करेंगे तो सफलता अवश्य मिलेगी। देवनानी ने प्रदेश के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए लोगों का आवाहन किया है।

- **गुलाबी रंग के साथ हाईटेक होगा सदन -**

देवनानी ने कहा है कि नए वर्ष में सोलहवीं राजस्थान विधानसभा के आने वाले नए सत्र में सदन नए रंग में दिखाई देगा। उन्होंने कहा कि अब राजस्थान विधानसभा

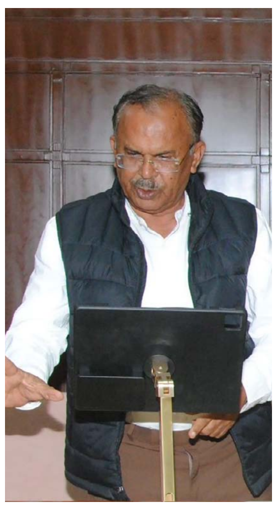

का सदन गुलाबी नगर की तर्ज पर गुलाबी रंग के साथ हाईटेक होगा। विधानसभा के सभी सदस्य डिजिटल तरीके से सदन में कार्य करेंगे। राजस्थान विधानसभा के सदन में प्रत्येक सदस्य की सीट पर टैब लगाया जा रहा है।

- **विधानसभा के**

डिजिटल संग्रहालय को अवश्य देखें- *

अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने प्रदेशवासियों से कहा है कि जिन लोगों ने अभी तक राजस्थान विधानसभा का राजनीतिक आख्यान संग्रहालय नहीं देखा है, वे नए वर्ष में इस संग्रहालय को अवश्य देखें। उन्होंने कहा कि सदन लोकतंत्र का पवित्र स्थल है। विधानसभा के डिजिटल संग्रहालय में राजस्थान के समृद्ध और वैभवशाली इतिहास को बताया गया है।

- **संविधान दीर्घा *-**

देवनानी ने बताया कि संग्रहालय में नवीन दीर्घा संविधान दीर्घा बनाई गई है। इसमें संविधान के 22 भागों मैं उल्लेखित चित्रों के बारे में विस्तार से बताया गया है। युवाओं और शोधकर्ताओं के लिए यह दीर्घा महत्वपूर्ण है।

रावत महासभा राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष देवी सिँह रावत के 4 माह के कार्यकाल मे उपलब्धिया

चमकता राजस्थान /रघुनंदन पारीक

श्रीनगर /अजमेर/ पुष्कर। 25 अगस्त 2024 को समाज ने निष्पक्ष चुनाव से रावत महासभा राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष देवी सिँह जी रावत निर्वाचित हुए। 25 दिसंबर 2024 को 4 माह के कार्यकाल मे रावत महासभा राजस्थान ने प्रदेश अध्यक्ष देवी सिँह जी के निर्देशन मे बेहतरीन कार्य हुआ है जिसमे

1. महासभा अध्यक्ष निर्वाचित होने के उपरांत निरंतर समय समय पर कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन किया।
2. महासभा के इनकम सोर्स मे वृद्धि हुई।
3. 100 वर्षो की पुरानी मांग रावत मंदिर का पट्टा प्राप्त कर समाज मे ऐतिहासिक कार्य हुआ।
4. ऐतिहासिक रावत प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित हुआ जिसमे प्रथम बार 700 से अधिक प्रतिभाओ को शील्ड व प्रमाण पत्र

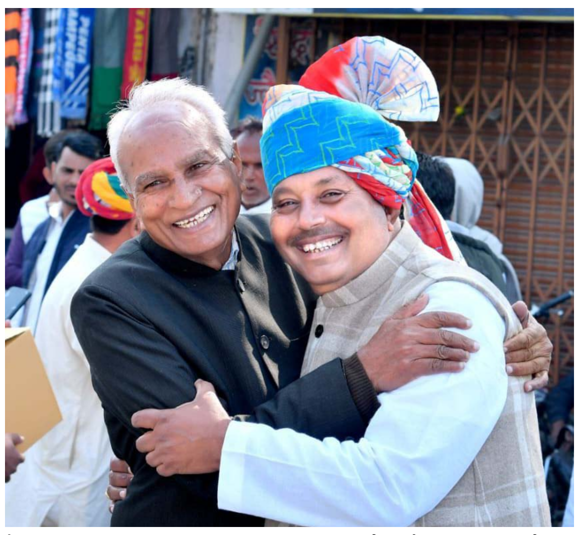

देकर सम्मानित किया गया।

5. इतना विशाल प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन हुआ जिसमे पहली बार एक भी पैसा समाज के महासभा कोष से नही लगा, सम्पूर्ण व्यय महासभा मे विश्वास रखते हुए समाज के भामाशाहो ने व्यय किया, जो बहुत बड़ी बात है सम्पूर्ण समाज के लिए।
6. सम्पूर्ण रावत समाज ने माननीय केबिनेट मिनिस्टर महोदय सुरेश सिँह जी रावत साहब को सर्वसम्मति से निर्णय लेकर समाज का सर्वोच्च सम्मान रावत रत्न प्रदान किया गया।
7. माननीय मंत्री महोदय द्वा-रा प्रतिभा सम्मान समारोह मे ही रावत समाज को पुष्कर मे अतिरिक्त 5 बीघा जमीन आवंटन की घोषणा की।

तीन हिस्ट्रीशीटर सहित 7 को किया गिरफ्तार

एरिया डोमिनेशन के तहत हिस्ट्रीशीटरों व गैंगवार एवं लूट के बदमाशों पर कसी नकेल

गिरफ्तारशुदा अपराधियों का पैदल मार्च कस्बा लोहावट में निकाला गया

चमकता राजस्थान

अनिल पुष्करणा/फलोदी। जिले के लोहावट पुलिस ने एरिया डोमिनेशन के तहत हिस्ट्रीशीटरों व गैंगवार एवं लूट के बदमाशों पर नकेल कसते हुए 007 व 0029 गैंगों के 03 हिस्ट्रीशीटर व 04 अन्य सदस्यों दस्तयाब किया गया । जिला पुलिस अधीक्षक फलौदी पूजा अवाना ने बताया कि जिला फलोदी वृत स्तर पर एरिया डोमिनेशन के तहत विभिन्न कार्यवाही की गई जिसमें संघठित अपराध के विरूध धरपकड़ का अभियान चलाया जाकर कार्यवाही करने हेतू निर्देशित किया गया, इस अभियान के तहत ब्रजराजसिंह चारण, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक फलोदी के सुपरवीजन व संग्रामसिंह भाटी वृताधिकारी लोहावट के निर्देशन मे शिवराजसिंह निपु थानाधिकारी

पुलिस थाना लोहावट मय टीम व जिला स्पेशल टीम के द्वारा पुलिस थाना लोहावट में कार्यवाही करते हुए अपराधिक गतिविधियों में लिप्त व लम्बे समय से फरार उग्रास पावर प्लांट में हुई लुट के प्रकरण में वांछित एक बाल अपचारी को दस्तयाब कर पुलिस थाना फलोदी को सुपुर्द किया गया व 007 व 0029 गैंगों के 03 हिस्ट्रीशीटर व 04 अन्य सदस्यों को दस्तयाब किया गया जिनसे पुलिस थाना लोहावट द्वारा विभिन्न अपराध के संबंध में पूछताछ की जा रही है। आमजन में विशवास व अपराधियों में भय के उद्देशय से गिरफ्तारशुदा अपराधियों का पैदल मार्च कस्बा लोहावट में निकाला गया।

गिरफ्तार मुलजिम:-

01 एक विधि विरूद्ध संघर्षरत बालक को दस्तयाब किया गया।
02. फरसाराम पुत्र मोहनराम जाति विश्नोई निवासी जम्भेश्वर नगर पुलिस थाना लोहावट जिला फलौदी
03. शयामलाल पुत्र पपूराम जाति विश्नोई निवासी जम्भेश्वर नगर पुलिस थाना लोहावट जिला फलौदी
04. शक्तिमान पुत्र ओमप्रकाश जाति विश्नोई निवासी जम्भेश्वर नगर पुलिस थाना लोहावट जिला फलौदी
05. रामनिवास पुत्र सुखराम जाति विश्नोई निवासी भाकरी पुलिस थाना ओसियां जिला जोधपुर
06.रामकुमार पुत्र हरचन्दराम जाति विश्नोई निवासी विष्णुनगर पुलिस थाना लोहावट जिला फलौदी
07. रमेश चन्द उर्फ शंकर खिलेरी पुत्र भागीरथराम जाति विश्नोई निवासी हंसादेश पुलिस थाना लोहावट जिला फलौदी
08. शयामलाल पुत्र धीमाराम जाति विश्नोई निवासी भजननगर पुलिस थाना लोहावट जिला फलौदी

टीम का विवरण:- उक्त कार्यवाही में श्री शिवराजसिंह निरीक्षक थानाधिकारी थाना लोहावट, श्री प्रदीप हैड कानि प्रभारी स्पेशल टीम फलोदी, कानि. सहीराम, गिरराजसिंह,, महेन्द्र उज्जवल, भगवानाराम , हितेश, चोखाराम, महेन्द्र चैधरी, एवं पुलिस थाना लोहावट की सराहनीय भूमिका रही।

500 पुलिसकर्मी सुरक्षा के लिए तैनात

जैसलमेर में न्यू ईयर सेलिब्रेशन के लिए उमड़ा जनसैलाब

होटल-रिसॉर्ट में 1 लाख से ज्यादा लोग करेंगे नववर्ष की पार्टी

चमकता राजस्थान

जैसलमेर।(सी आर देवपाल म्याजलार)। स्वर्णनगरी में नए साल के स्वागत के लिए हजारों की संख्या में सैलानी जैसलमेर पहुंच गए हैं। जिससे जैसलमेर शहर की होटल सम व खुहड़ी के रिसोर्ट हाउसफुल हो गए हैं। इस साल को विदाई व नए साल के स्वागत के लिए जैसलमेर पहुंचे सैलानियों के लिए होटल व रिसोर्ट संचालकों द्वारा अलग-अलग थीम पर तैयारियां की जा रही है ।इसके साथ ही आज के दिन के लिए पुलिस ने भी करीब 500 पुलिस कर्मियों को तैनात किया है। आने वाले सैलानियों की सुरक्षा के लिए तमाम जगहों पर पुलिस का जाप्ता तैनात रहेगा। साथ ही सम गांव जाने के लिए ट्रेफिक को भी डायवर्ट किया गया है ताकि किसी भी प्रकार की सड़क दुर्घटना से बचाव किया जा सके।

● विशेष रहेगी डिनर पार्टी

नववर्ष के अवसर पर बाहर से स्पेशल कुक मंगवाए गए हैं और सभी जगह अलग-अलग व्यंजनों की भरमार होगी। खास तौर पर इंडियन राजस्थानी कोंटिनेंटल चाइनीज इटालियन यूरोपियन व स्पेनिश व्यंजनों के मैन्यू तैयार किए गए हैं। इस दिन बुकिंग करवाने के लिए दौड़ भाग शुरू हो गई है। बाहर से आने वाले सैलानियों की एडवांस बुकिंग हो रखी है। आज के दिन को यादगार बनाने के लिए सैलानियों के साथ साथ होटल और रिसोर्ट बिजनेस से जुड़े लोग भी जुटे हैं।

● 1 लाख से भी ज्यादा सैलानी करेंगे जश्न

नववर्ष में जैसलमेर किसी विदेशी शहर की तरह ही नजर आएगा। हर होटल में नए अंदाज में न्यू ईयर सेलिब्रेशन के दावे किए जा रहे हैं। सम में 200 रिसोर्ट व जैसलमेर में 300 होटल है। नए साल का जश्न मनाने के लिए 1 लाख से भी ज्यादा पर्यटक आने की संभावना है। 2025 के स्वागत के लिए स्वर्णनगरी पूरी तरह से तैयार है। सम व खुहड़ी के धोरों के बीच स्थित रिसोर्ट व शहर की होटलों में आकर्षक सजावट की गई है। सभी पर्यटन व्यवसायी अलग-अलग थीम पर काम कर रहे हैं।

● रात 8 बजे से सम से जैसलमेर वन-वे

नववर्ष की पूर्व संध्या 31 दिसंबर की शाम 8 बजे से रात 1 बजे तक सम से जैसलमेर शहर आने का रास्ता पूरी तरह से बंद रहेगा। वैकल्पिक रास्ता सम से दामोदरा फांटा से छत्रैल लौद्रवा चूंधी व अमरसागर फांटा से होते हुए जैसलमेर शहर आ सकेंगे। वहीं जैसलमेर से सम जाने का रास्ता पूरी तरह से खुला रहेगा। पुलिस ने सभी सैलानियों से अपील की है कि कोई भी सैलानी शराब पीकर वाहन नहीं चलाएं वाहन को धीरे चलाए ओवरटेक नहीं करें और यातायात नियमों का पालन करें।

● 500 पुलिसकर्मी सुरक्षा के लिए तैनात

नए साल के स्वागत के लिए हजारों की संख्या में जैसलमेर पहुंचे सैलानियों की सुरक्षा के लिए पुलिस ने इंतजाम किए है। जिले में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए एएसपी कैलाशदान जुगतावत को प्रभारी बनाया गया है। थानाधिकारी पुलिस थाना कोतवाली जैसलमेर सम खुहड़ी एवं तनोट को नए साल की पूर्व संध्या पर पूर्ण चौकसी एवं सतर्कता से ड्यूटी इंतजाम देने के निर्देश दिए है ।जैसलमेर यातायात शाखा प्रभारी को भी नए साल की पूर्व संध्या पर यातायात व्यवस्था एवं पार्किंग व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने के निर्देश दिए गए है। सम सेंड ड्यूंस व शहर में कानून व शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए करीब 500 पुलिसअधिकारियों व कर्मचारियों का जाब्ता लगाया गया है। शहर में नाका पोइंट व फिक्स पिकेट बनाकर जाब्ता तैनात किया गया है। शहर से लेकर सम तक कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए 6 पुलिस मोबाइल पार्टियां तैनात रहेंगी।

संक्षिप्त समाचार

जिला जयपुर प्रथम में शक्ति दिवस का आयोजन

चमकता राजस्थान। जयपुर (खलील कुरैशी) जयपुर प्रथम, 31 दिसंबर ' जिला जयपुर प्रथम में मंगलवार को शक्ति दिवस आयोजित किया गया। जिसमे बच्चों, किशोरी बालिकाओं और महिलाओं की अनिमिया की स्क्रीनिंग, हीमोग्लोबिन की जांच के साथ अनिमिया का उपचार किया गया और आयरन की टेबलेट्स का वितरण किया गया।कार्यवाहक मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जयपुर प्रथम डॉ. इंद्रा गुप्ता ने बताया कि राजस्थान को अनिमिया मुक्त करने के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग तथा अन्य विभागों के साथ मिलकर माह के प्रत्येक मंगलवार को शक्ति दिवस के रूप में आयोजित किया जाता है।उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (परिवार कल्याण) जयपुर प्रथम डॉ. प्रवीण झरवाल ने बताया कि अभियान के तहत बच्चों, उन महिलाओं व किशोरियों में अनिमिया की दर कम करने के लिए उनकी अनिमिया की स्क्रीनिंग व उपचार किया जाता है। इसमे बच्चों, किशोरी बालिकाओं, विवाहित महिलाओं, गर्भवती महिलाओं तथा धात्री माताओं में अनिमिया मुक्ति के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाती हैं।

बाघिन रिद्धि और उसके शावकों को देखा– राज्यपाल ने रणथंभौर नेशनल पार्क का भ्रमण किया

चमकता राजस्थान। जयपुर!(खलील कुरैशी) 31 दिसम्बर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने मंगलवार को सवाई माधोपुर स्थित रणथंभौर नेशनल पार्क का सपरिवार भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने पार्क एरिया में बाघिन रिद्धि और उसके शावकों को देखा। कुछ देर वहीं ठहरकर उन्होंने बाघिन रिद्धि और शावकों की अठखेलियां देखी। राज्यपाल ने बाघिन परिवार के साथ ही अन्य वन्यजीवों एवं रणथंभौर की प्राकृतिक सुंदरता की सराहना की। उन्होंने अरावली की पहाड़ियों और विंध्य पठार के आसपास स्थित, रणथंभौर वन को भी बहुत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि वन्य जीव अभयारण्य पर्यटन की दृष्टि से देश का यह महत्वपूर्ण स्थान है।इससे पहले रणथंभौर राष्ट्रीय पार्क स्थित जोगी महल में सवाई माधोपुर के वन अधिकारियों ने उनकी अगवानी की तथा राष्ट्रीय पार्क की पारिस्थितिकी के बारे में बताया।

सुरेंद्र सैनी फिर बने नगर पालिका चेयरमैन, विधायक विक्रम सिंह जाखल की मौजूदगी में ली अध्यक्ष पद की शपथ

चमकता राजस्थान

जयपुर। लोकेश कुमार सैनी। नवलगढ़ नगरपालिका चेयरमैन शोयब खत्री के निलंबन के बाद राज्य सरकार ने पालिकाध्यक्ष की नियुक्ति कर दी है। पालिका के पूर्व पालिकाध्यक्ष व पार्षद सुरेंद्र सैनी फूलवाला को पालिकाध्यक्ष मनोनित किया है। इस संबंध में स्वायत्त शासन विभाग के निदेशक कुमार पाल गौत्तम की ओर से आदेश जारी कर दिए गए हैं। इस आदेश में स्पष्ट किया गया है कि राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा 50(1) (4)(क) में प्रदत्त शक्तियों के तहत वार्ड संख्या 39 के पार्षद सुरेंद्र कुमार को 60 दिन के लिए या राज्य सरकार की ओर से अन्य आदेश जारी होने तक कार्यवाहक पालिकाध्यक्ष नियुक्त किया जाता है। इस आदेश के साथ ही नवलगढ़ को नया पालिकाध्यक्ष मिल गया है। सुरेंद्र सैनी दूसरी बार पालिकाध्यक्ष बने है। एसडीएम जयसिंह ने सुरेंद्र सैनी को पालिकाध्यक्ष पद की शपथ दिलाई। इस मौके पर मौजूद विधायक विक्रमसिह जाखल ने सुरेंद्र सैनी को साफा पहनाकर स्वागत किया। उन्होंने भ्रष्टाचार मुक्त पालिका प्रशासन देने का अपना संकल्प दोहराया। सुरेंद्र सैनी ने कहा कि बिना किसी भेदभाव के नवलगढ़ में विकास कार्य होंगे। इस मौके पर जिप सदस्य बीरबलसिंह गोदारा, महेश चौधरी, पार्षद जयंती बील, चंद्रशेखर मिश्रा, दिनेश भगेरिया, पार्षद हितेष थोरी, विष्णु कुमावत, पार्षद हरीसिंह सौलकी, सलीम जिंदरान आदि मौजूद थे।

मिठास से भरी हो बोली और बात

चमकता राजस्थान। जयपुर। हमारे जीवन में बोलचाल का तरीका एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, मीठी वाणी से न केवल आत्मविश्वास बढ़ता है, बल्कि यह रिश्तो को भी प्रगाढ़ बनती है जब हम सम्मानजनक और माधुर शब्दों का प्रयोग करते हैं, तो हर कोई हमें पसंद करता है, और हमारे प्रति आकर्षित होता है, एक संजीव उदाहरण है कि एक सरल और सोभय बातों से न केवल मित्रता पाई जा सकती है, बल्कि गहरे दुश्मन भी दोस्त बन जाते हैं, लेकिन यह भी सत्य है ,की कभी-कभी हम गुस्से में आकर अपना आपा खो बैठते हैं ,और दूसरों को अपमानित कर देते हैं, जो की न केवल गलत होता है, बल्कि रिश्तों में भी दूरी उत्पन्न करता है, नए साल के मौके पर यह एक अच्छा संकल्प हो सकता है, कि हम अपनी वाणी पर पूर्ण नियंत्रण रखेंगे जब हम अच्छे शब्दों का चुनाव करेंगे तो न केवल हमें सम्मान मिलेगा बल्कि लोग हमें हमेशा याद रखेंगे. इस बार 2025 को खास बनाने के लिए आप भी अपने परिवार और दोस्तों को कुछ ऐसा तोहफा दें जो उनके लिए सच्ची खुशी और सुख लेकर आए।
अविनाश शर्मा कुलसचिव हिंदी प्रचार प्रसार संस्थान जयपुर राजस्थान

पूर्व प्रधान मंत्री मन मोहन सिंह को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में श्रद्धासुमन अर्पित किए

चमकता राजस्थान

अत्री कुमार दाधीच/जयपुर। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर मंगलवार को पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर आयोजित प्रार्थना सभा में प्रदेश कांग्रेस द्वारा शोक प्रस्ताव पारित कर दो मिनट का मौन रखा गया तथा उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सी. पी. जोशी, डॉ. बी. डी कल्ला, एआईसीसी के बिहार प्रदेश प्रभारी मोहन प्रकाश सहित विधायक, सांसद, पूर्व मंत्री, पीसीसी पदाधिकारियों सहित प्रदेशभर से बड़ी संख्या में कांग्रेस नेतागण श्रद्धांजलि सभा मेंशामिल रहे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने मीडिया को सम्बोधित करते हुए कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह अपने कार्यों, स्वभाव एवं व्यक्तित्व के कारण पूरे विश्व में प्रसिद्ध थे। उन्होंने कहा कि डॉ. सिंह ने भारत को विश्व की मजबूत अर्थव्यवस्था बनाने तथा वैश्विक पटल पर देश को नम्बर वन बनाने हेतु कार्य किया। उन्होंने कहा कि डॉ. सिंह ने देश में आर्थिक उदारीकरण की नीति लागू कर अपने कार्यों से ऐसे समय में जब पूरा विश्व आर्थिक मंदी का सामना कर रहा था, देश को उन्नति के पथ पर ले जाने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि देश के सभी नागरिक डॉ. मनमोहन सिंह के किए गए कार्यों को श्रद्धा से याद कर रहे है। उन्होंने कहा कि मनमोहन सिंह ने अपने 10 वर्षीय कार्यकाल में जो कार्य किए उसी का परिणाम है कि देश वैश्विक पटल पर मजबूत अर्थव्यवस्था के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज करवा रहा है। उन्होंने कहा कि मनमोहन सिंह ने देशवासियों को मनरेगा लागू कर रोजगार का अधिकार दिया, राईट-टू-एज्यूकेशन लागू कर शिक्षा का अधिकार दिया। उन्होंने कहा कि देशवासियों को खाद्य सुरक्षा अधिनियम के माध्यम से लाभान्वित करने के साथ ही किसानों का 72 हजार करोड़ रुपये का ऋण माफ करने जैसे उत्कृष्ट एवं अनुकरणीय कार्य किये, जिनकी चर्चा पूरे विश्व में हो रही है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने देश के दलितों, पिछड़ों, किसान, मजदूर, महिलाओं, युवाओं, छोटे व्यापारियों के उत्थान के लिए महत्वपूर्ण योजनाएं बनाकर कार्य किया। उन्होंने कहा कि देश में सर्वाधिक लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर ले जाने का कार्य डॉ. सिंह के कार्यकाल में ही हुआ था। उन्होंने कहा कि लोग डॉ. मनमोहन सिंह के 10 वर्षीय कार्यकाल एवं वर्तमान सरकार के कार्यकाल की तुलना कर रहे है। उन्होंने कहा कि मनमोहन सिंह के कार्यकाल में एक तरफ गरीबों के उत्थान के लिए कानून एवं फ्लैगशिप योजनाएं लागू हुई, दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में नोटबंदी, किसानों पर थोपे गए काले कानून लागू हुए। उन्होंने कहा कि एकरतफ मनमोहन सिंह जी ने किसानों को 72 हजार करोड़ का ऋण माफ कर राहत दी थी, वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में तीन वर्ष से किसान अपनी जायज मांगों को लेकर सरकार से किए गए समझौते को लागू करवा कर एमएसपी का कानून बनवाने के लिए सड़कों पर संघर्ष करने के लिए मजबूर है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने अति कर दी क्योंकि जनता की मांग पर बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था के लिए गठित नए जिलों को भाजपा की सरकार ने निरस्त कर दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन में गठित नए संभागों एवं जिलों के माध्यम से गरीब कल्याण की योजनाओं के बेहतर निष्पादन का कार्य हो रहा था और प्रदेशवासियों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए सुविधाएं मिल रही थी किन्तु भाजपा सरकार ने राजनीतिक दुर्भावना के कारण इन जिलों एवं संभागों को समाप्त करने का जनविरोधी कार्य किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा की राजस्थान सरकार ने अपने 12 माह के कार्यकाल में केवल दिल्ली से आयी पर्ची को पढ़ने का कार्य किया है, सही या गलत का आंकलन भी निर्णय लेते समय नहीं किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने अपने शासन में गठित कमेटी में वर्णित सभी मापदण्डों के आधार पर नए जिलों एवं संभागों का गठन जनता की मांग पर जनकल्याण के लिए किया था। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने भाजपा के कार्यकर्ता को कमेटी का जिम्मा प्रदान कर अपनी मनमर्जी से जिले एवं संभाग समाप्त करने का निर्णय करवा दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में जानबूझकर ऐसे समय जिले एवं संभाग निरस्त करने का निर्णय लिया है जब 01 जनवरी, 2025 से जिले एवं संभागों की सीमाओं को जनगणना के कारण बंद करने का आदेश केन्द्र सरकार ने दिया है ताकि कोई व्यक्ति न्यायालय की भी शरण में नहीं जा सके। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार का यह निर्णय अन्यायपूर्ण है क्योंकि जिलों एवं संभागों का परिसीमन किया जा सकता था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी सड़क से सदन तक आमजनता के हितों के लिए जो कुठाराघात जनता के अधिकारों पर भाजपा की पर्ची सरकार ने किया है, उसके विरूद्ध लड़ेंगे।

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि डॉ. सिंह के व्यक्तित्व में सादगी झलकती थी और उन्होंने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि डॉ. सिंह ने वित्त मंत्री रहते हुए जिस प्रकार देश में आर्थिक उदारीकरण किया उससे देशवासियों की सोच में बदलाव आया। उन्होंने कहा कि जो देश में विकास दिख रहा है, इन्फ्रास्ट्रक्चर, मजबूत अर्थव्यवस्था, विदेशी निवेश सब पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की देन है। उन्होंने कहा कि ऐसे व्यक्तित्व को खोना देश के लिए अपूरणीय क्षति है। गहलोत ने कहा कि राजस्थान में रिफाइनरी का प्रोजेक्ट भी उन्हीं की देन है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सौभाग्य की बात है कि वे राजस्थान से राज्यसभा के सदस्य रहे। उन्होंने कहा कि डॉ. सिंह का व्यक्तित्व सभी देशवासियों एवं प्रदेशवासियों के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह के निधन से सभी देशवासी शोक संतप्त है ।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष हमीद खान मेवाती ने केंद्रीय मंत्री किरण रिजीजू से की शिष्टाचार भेंट वार्तालाप

चमकता राजस्थान। जयपुर/नई दिल्ली !(खलील कुरैशी)। नई दिल्ली में भारत सरकार के केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलात कैबिनेट मंत्री किरण रिजीजू से भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष हमीद खान मेवाती ने शिष्टाचार भेंट की व अल्पसंख्यक समाज के विभिन्न मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की और राजस्थान आने के लिए आमंत्रण दिया।

प्रदेशवासियों की खुशहाली की कामना की

चमकता राजस्थान। जयपुर, 31 दिसंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को नववर्ष से पूर्व दौसा जिले के मेहंदीपुर बालाजी धाम तथा डीग जिले के पूंछरी का लौठा स्थित श्रीनाथजी मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली एवं सुख-समृद्धि की कामना की। श्री शर्मा ने सर्वप्रथम दौसा जिले में स्थित मेहंदीपुर बालाजी धाम में दर्शन किए। मंदिर महंत डॉ. नरेशपुरी महाराज ने मुख्यमंत्री को मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजा-अर्चना कराई। इस दौरान गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, विधायक विक्रम बंशीवाल, भागचंद टांकड़ा, जयपुर रेंज आईजी अजयपाल लांबा, दौसा कलक्टर देवेन्द्र कुमार, करौली कलक्टर नीलाभ सक्सेना सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

- **मुख्यमंत्री ने पूंछरी का लौठा में किए श्रीनाथ जी के दर्शन**

मुख्यमंत्री इसके बाद पूंछरी का लौठा धाम पहुंचे तथा श्रीनाथ जी मंदिर में दर्शन किए। उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर नववर्ष 2025 में प्रदेश की प्रगति तथा प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। शर्मा ने पूंछरी ग्राम में आमजन के साथ भी आत्मीयता के साथ मुलाकात कर उनकी कुशलक्षेम पूछी तथा बुजुर्गों का आशीर्वाद लिया। इस दौरान गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, भरतपुर रेंज आईजी राहुल प्रकाश, जिला कलेक्टर डीग उत्सव कौशल सहित वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री नववर्ष के प्रथम दिन 1 जनवरी (बुधवार) को पूंछरी का लौठा धाम में गिरिराज जी की विशेष पूजा-अर्चना कार्यक्रम में भाग लेंगे। इसके साथ ही वे स्थानीय कार्यक्रम में भी शामिल होंगे।

नव वर्ष पर राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े की बधाई और शुभकामनाएं

चमकता राजस्थान। जयपुर!(खलील कुरैशी) 31 दिसम्बर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने नव वर्ष 2025 के लिए सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैराज्यपाल बागडे ने अपने शुभकामना संदेश में कहा है कि नव वर्ष सभी के जीवन में सुख समृद्धि और खुशहाली लिए हो। उन्होंने नये साल में हर पल, हर दिन कुछ नया करते हुए राष्ट्र और समाज के लिए अपना सर्वस्व अर्पण करने का आ''ान किया है।

जयपुर विकास प्राधिकरण ने जोन 14 में दिया विधिसम्मत कार्रवाई को अंजाम

33 बीघा भूमि पर तीन नवीन अवैध कॉलोनियों को किया ध्वस्त

चमकता राजस्थान

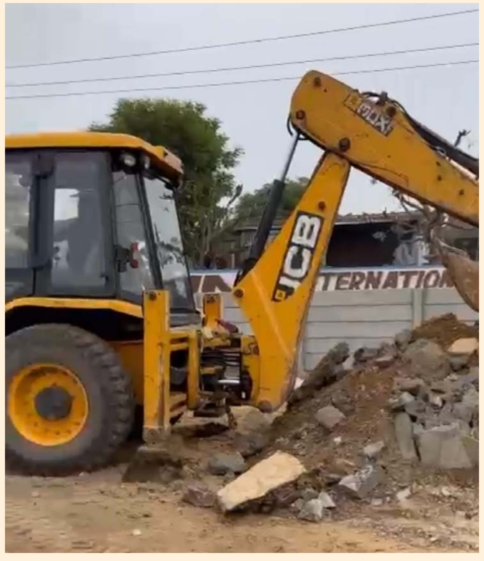

जयपुर! (खलील कुरैशी) 31 दिसम्बर। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-14 में निजी खातेदारी करीब 33 बीघा कृषि भूमि पर 03 नवीन अवैध कॉलोनियों को प्रारंभिक स्तर पर ही पूर्णतः ध्वस्त किया गया। उप महानिरीक्षक पुलिस कैलाश चन्द्र विश्नोई ने बताया जोन-14 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम लाखना, तहसील सांगानेर में आईओसीएल पैट्रोल पम्प के सामने, जिला जयपुर में करीब 06 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर ''गणपति नगर'' के नाम से विगत दिवसों में मौका पाकर रातों-रात बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सडकें, बाउण्ड्रीवाल भूखण्डों का डिमार्केशन, पत्थरगढ़ी व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर ही आज जोन-14 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया जेडीए द्वारा जोन-14 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम बासडी, तहसील सांगानेर में लाखना से पहाडियां रोड़, जिला जयपुर में करीब 25 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर ''आनन्द वाटिका'' के नाम से विगत दिवसों में मौका पाकर रातों-रात बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सडकें, प्लॉटों की बाउण्ड्रीवाल, डिमार्केशन, पत्थरगढ़ी व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर ही आज जोन-14 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया।जेडीए द्वारा जोन-14 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम दादियां, तहसील सांगानेर साईन इन्टरनेशनल स्कूल के पीछे, जिला जयपुर में करीब 02 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर ''राधिका विहार'' के नाम से विगत दिवसों में मौका पाकर रातों-रात बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सडकें, प्लाॅटों की बाउण्ड्रीवाल व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर ही आज जोन-14 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। उक्त कार्यवाहियां मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन आदर्श चौधरी के पर्यवेक्षण में उपनियंत्रक प्रवर्तन चतुर्थ, प्रवर्तन अधिकारी जोन 14 तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई प्रवर्तन प्रकोष्ठ जविप्रा द्वारा माह अक्टूबर वर्ष 2024 से आज तक कुल 112 नवीन अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त कर अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयासों को विफल किया गया।

जश्ने ईद मिलादुन्नबी व उर्से ख्वाजा गरीब नवाज का होगा शानदार आयोजन

4 जनवरी को जयपुर में जुटेंगे देशभर के इस्लामी विद्वान, विषय विशेषज्ञ देंगे व्याख्यान

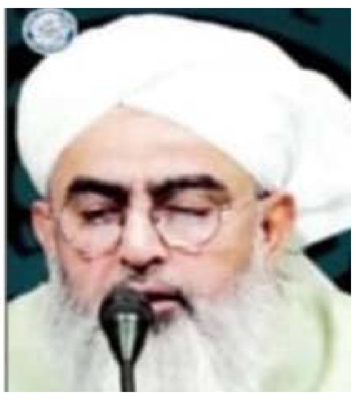

चमकता राजस्थान

जयपुर! (खलील कुरैशी)। सुन्त्री दावते इस्लामी (एसडीआई) की ओर से देहली बाईपास स्थित ईदगाह रोड पर 4 जनवरी 2025 को 1500वां जश्ने ईद मिलादुन्नबी व 813वां उर्से ख्वाजा गरीब नवाज मनाया जाएगा। शाम 7 बजे मगरिब की नमाज के बाद से रात 12 बजे तक जश्ने गरीब नवाज मनाया जाएगा। जिसमें देशभर से इस्लामी विद्धान आएंगे। साथ ही विषय विशेषज्ञ व्याख्यान देंगे। मुख्य अतिथि सुत्री दावते इस्लामी (मुम्बई) के अमीर हजरत मौलाना मुहम्मद शाकिर अली नूरी ख्वाजा गरीब नवाज की जीवनी पर प्रकाश

- **इज्तिमे की सदारत मुफ्ती-ए-**
- **शहर जयपुर हजरत मौलाना मुफ्ती अब्दुस्सत्तार रजवी करेंगे**

डालेंगे। वहीं मुख्य वक्ता अल्हाज मौलाना सय्यद अमीनुल कादरी किब्ला (मालेगांव) इस्लाम की प्राथमिक व नैतिक शिक्षा का प्रचार-प्रसार तथा आधुनिक शिक्षा के लिए जागरुकता पर व्याख्यान देंगे। अलहाज कारी मुहम्मद रिजवान खान (मुंबई) हम्द नातों मंकबत पेश करेंगे। आले रसूल अल्हाज मौलाना सय्यद मुहम्मद कादरी (जयपुर) हिंदुस्तान सूफी विचार धाराओं औलिया अल्लाह खूवाजा गरीब नवाज के मानने वालों का है। इसमें सूफी विचार व औलिया अल्लाह की सुफिज्म शिक्षा को बढ़ावा दिया जाएगा। नौजवानों को समाज सेवा के कामों के लिए बैदार करना, मुल्क और कौम की तरक्की व खुशहाली के लिए हर संभव प्रयास करना विषय पर उपस्थितजनों को संबोधित करेंगे। इज्तिमे की सदारत मुफ्ती-ए-शहर जयपुर हजरत मौलाना मुफ्ती अब्दुस्सत्तार रजवी करेंगे। इज्तिमे का समापन सलातो सलाम व खुसूसी जिक्र दुआ के साथ होगा।छात्र-छात्राओं का होगा विशेष सत्र टीम एसडीआई उम्मीद का एक विशेष सत्र स्कूल और कॉलेज के छात्र-छात्राओं के लिए 4 जनवरी को दोपहर 3 से शाम 5.30 बजे तक आयोजित होगा। जिसमें छात्र-छात्राओं को बताया जाएगा कि बोर्ड परीक्षा के वाद कौनसा विकल्प चुने, उन्हें किस फील्ड में जाना चाहिए,जिससे उनका भविष्य रोशन हो सके। इस सेशन में 3 टॉपिक अपनी क्षमता को उजागर करें और बेहतर भविष्य का निर्माण करें, पढ़ाई और बोर्ड परीक्षा के लिए समय कौशल प्रबंधन और कम्फर्ट जोन को कम करने के लिए ब्रेन हैक्स के टिप्स रखा गया है। इस सेशन का प्रशिक्षण देने के लिए मुंबई से विषय विशेषज्ञ मुहम्मद इस्माइल व मुहम्मद निजामुद्दीन आएंगे।

महानिदेशक पुलिस राजस्थान की प्रदेशवासियों को नववर्ष पर शुभकामनाएं

- **गुरुवार को पुलिस मुख्यालय में मनाया जाएगा नव वर्ष स्नेह मिलन समारोह**
- **जन सुरक्षा एवं अपराधों की रोकथाम के लिए पूर्ण निष्ठा व लगन से पुलिसकर्मी अपना फर्ज निभाएं:- डीजीपी साहू**

चमकता राजस्थान। जयपुर!(खलील कुरैशी) 31 दिसम्बर। महानिदेशक पुलिस उत्कल रंजन साहू ने पुलिस कर्मियों तथा समस्त प्रदेशवासियों को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। साहू ने नव वर्ष की पूर्व संध्या पर अपने शुभकामना संदेश में सभी पुलिसकर्मियों से नए साल में जन सुरक्षा एवं अपराधों की रोकथाम के लिए प्रखरता, पूर्ण निष्ठा, लगन व ततपरता से अपना फर्ज निभाते हुए जनता की सेवा का संकल्प लेने का आव्हान किया। साहू ने कहा कि नववर्ष 2025 के अवसर पर मैं राजस्थान पुलिस के जवानों, अधिकारियों और उनके परिजनों सहित सभी प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देता हूँ। हमारी प्रकृति और परम्परा यही रही है कि जीवन में जब भी कुछ नया घटित होता है तो हम अपने योगदान से आने वाले कल को पहले से बेहतर बनाने के लिए सदैव

बढ़-चढ़कर प्रयास करते हैं। डीजीपी ने कहा कि नए साल का आगमन हमारे लिए अधिक सजगता एवं प्रतिबद्धता के साथ देश, प्रदेश और समाज की सेवा के लिए, खुद को समर्पित करने का ऐसा ही सुअवसर है। नए साल में हम सभी इसी भावना के साथ जनसुरक्षा एवं अपराधों की रोकथाम के लिए पूर्ण निष्ठा व लगन से अपना फर्ज निभाते हुए जनता की सेवा का संकल्प लें।नव वर्ष की पूर्व संध्या पर अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस प्रशासन, कानून एवं व्यवस्था श्री विशाल बंसल ने बताया कि 2 जनवरी गुरुवार सुबह 10:30 बजे से पुलिस मुख्यालय के मुख्य पोर्च के सामने स्थित लॉन पर नव वर्ष स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।इस कार्यक्रम में पुलिस मुख्यालय में कार्यरत समस्त पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी तथा पुलिस मुख्यालय से बाहर जयपुर शहर में कार्यरत समस्त भारतीय पुलिस सेवा तथा राजस्थान पुलिस सेवा के अधिकारी शामिल होंगे।

राजस्थानी लोकनृत्यों की रंगारंग प्रस्तुति क्लब सदस्यों ने थिरकते हुए नववर्ष का स्वागत किया

पिंक सिटी प्रेस क्लब जयपुर मुख्यालय में हुआ नववर्ष 2025 का सुनहरा आगाज

अध्यक्ष डॉ. वीरेन्द्र सिंह राठौड़ महासचिव योगेन्द्र पंचौली कोषाध्यक्ष गिरीराज गुर्जर सहित कार्यकारिणी सदस्यों ने प्रेषित करी नववर्ष की शुभकामनाएं

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी)। पिंकसिटी प्रेस क्लब में नववर्ष की पूर्व संध्या पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। क्लब सदस्यों एवं उनके परिजनों ने डीजे पर थिरकते हुए नववर्ष का स्वागत किया। क्लब अध्यक्ष डॉ. वीरेन्द्र सिंह राठौड़, महासचिव योगेन्द्र पंचौली कोषाध्यक्ष गिरिराज प्रसाद गुर्जर ने प्रबन्ध कार्यकारिणी की ओर से क्लब सदस्यों एवं उनके परिजनों को नववर्ष की शुभकामनाएं प्रेषित की। नववर्ष पर प्रेस क्लब परिसर में लाईट डेकोरेशन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलन एवं गणेश वन्दना के साथ हुआ। क्लब अध्यक्ष डॉ. वीरेन्द्र सिंह राठौड़, महासचिव योगेन्द्र पंचौली ने बताया कि सवरंग संस्था के लोक कलाकारों ने चिरमी, चरी नृत्य, पिया आओ तो, मत पियो छैल तम्बाकुड़ी, और रंग दे, मरू रंग, मोनिया युगल नृत्य, चन्द्र गोरजा, नखरों छोड़ दे भाभी, काजलियो, बीजणा, हिवडे सू दूर मत जाय मिल जावे, घूमर, उंचो घाल्योपालणो, धरती धोरां री, सहित अनेक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। जिसे देख दर्शक रोमांचित हो उठे। क्लब सदस्यों ने डीजे पर थिरकते हुए नववर्ष का आगाज किया। पण्डित राजेन्द्र राव के निर्देशन में राजस्थानी लोकनृत्यों की विशेष प्रस्तुति दी। लोक कलाकार शिल्पा शर्मा, तारा कंवर, सुरभि, आरती, मिनाक्षी, वैदेई, प्रकाश शर्मा, वंसिका ने मनोहर प्रस्तुतियां दी। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष गिरिराज प्रसाद गुर्जर, उपाध्यक्ष विमल सिंह तंवर, राहुल भारद्वाज,कार्यकारिणी सदस्य पुष्पेन्द्र सिंह राजावत, अनिता शर्मा, ओमवीर भार्गव, नमोनारायण अवस्थी, संजय गौतम, शालिनी श्रीवास्तव, उमंग माथुर, पूर्व अध्यक्ष राधारमण शर्मा, पूर्व महासचिव रोशन लाल शर्मा, पूर्व उपाध्यक्ष संतोष शर्मा, कानाराम कड़वा वरिष्ठ पत्रकार शंकर नागर, शंकर शिखर, निखलेश शर्मा, इकबाल खान, विक्रम राजपुरोहित, सहित अनेक वरिष्ठ एवं युवा पत्रकार परिवार सहित कार्यक्रम में शामिल हुए। मंच संचालन राजेन्द्र शर्मा हंस ने किया।

डरपोक निकली पाकिस्तानी सेना : मिलिट्री बेस छोड़ भागी, जश्न मनाते दिखे तालिबानी लड़ाके

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की सेना कितनी बहादुर है इसकी पोल उस वक्त खुल गई जब तालिबानी लड़ाकों के आगे पाकिस्तानी सेना मिलिट्री बेस कैंप छोड़कर भाग गई। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए खैबर पख्तूनख्वा के बाजौर जिले में पाकिस्तानी सेना की एक चौकी पर कब्जा कर लिया। इस घटना ने पाकिस्तान को गहरा झटका दिया है। तालिबानी लड़ाकों ने पोस्ट से पाकिस्तान का झंडा हटाकर टीटीपी का झंडा लहरा दिया और सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में उन्हें हथियारों के साथ जश्न मनाते देखा गया। इस हमले में हुई भारी गोलाबारी के कारण 19 से अधिक लोगों के मारे जाने की खबर है। पाकिस्तानी सेना के इस पोस्ट पर कब्जे को सीमा पर बढ़ते तनाव का नतीजा माना जा रहा है। अफगानिस्तान के साथ पिछले कुछ दिनों से जारी संघर्ष और इस घटना ने क्षेत्रीय स्थिति को और जटिल बना दिया है। तालिबान के रक्षा मंत्रालय ने भी 28 दिसंबर को बयान जारी कर पाकिस्तान के खिलाफ अपनी सैन्य कार्रवाई की पुष्टि की। मंत्रालय के मुताबिक, अफगानिस्तान पर हालिया हवाई हमलों के जवाब में उसकी सेनाओं ने पाकिस्तान के कई ठिकानों को निशाना बनाया। तालिबान समर्थक मीडिया संगठन ने बताया कि इन हमलों में 19 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए, जबकि तीन अफगान नागरिक भी हिंसा का शिकार हुए। यह झड़प तब शुरू हुई जब 23 दिसंबर को पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के पूर्वी पाक्तिका प्रांत में तालिबानी विद्रोहियों के एक ट्रेनिंग सेंटर को नष्ट करने का दावा किया। इस अभियान में कई लोगों की मौत हुई, जिनमें अधिकतर महिलाएं और बच्चे शामिल थे। पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर बढ़ते तनाव और हिंसा ने दोनों देशों के बीच स्थिति को और गंभीर बना दिया है।

चीनी बुलेट ट्रेन की स्पीड इतनी कि, 1 घंटें में दिल्ली से लखनऊ पहुंचा दे

बीजिंग। चीन ने नई हाई-स्पीड बुलेट ट्रेन का अपडेटेड मॉडल लॉन्च किया है। इसकी स्पीड इतनी है कि एक घंटे में लखनऊ से दिल्ली पहुंचा जा सकता है।इस ट्रेन को कंपनी ने दुनिया की सबसे तेज बुलेट ट्रेन बताया है। टेस्ट के दौरान 450 किमी प्रति घंटे की रफ्तार हासिल की। चीन स्टेट रेलवे ग्रुप कंपनी (चाइना रेलवे) के मुताबिक, इस नए मॉडल का नाम सीआर 450 प्रोटोटाइप रखा गया है। यह ट्रेन यात्रा के समय को और कम करने और देश के लोगों को बेहतर कनेक्टिविटी देने में मदद करेगी। इस ट्रेन ने न केवल स्पीड, बल्कि ऊर्जा खपत, अंदर के शोर और ब्रेकिंग डिस्टेंस जैसे कई मामलों में अंतरराष्ट्रीय स्टैंडर्ड स्थापित किए हैं। बात करें भारत की तो अभी हमारे देश में सबसे तेज चलने वाली ट्रेन वंदे भारत है जो कुछ ट्रैक पर 160 केएमपीएच की रफ्तार से चलती है। वैसे भारत सरकार लगातार ट्रैक को मजबूत करते हुए ट्रेन की रफ्तार बढ़ाने की कोशिश कर रही है। अगर भविष्य में चीन की सबसे तेज बुलेट ट्रेन सीआर 450 भारत में चले तो यह यात्रा को सुपरफास्ट बना सकती है। ऐसे में अगर आप दिल्ली से लखनऊ जा रहे हैं तो इस ट्रेन में आपको केवल 1 घंटे 4 मिनट ही लगेंगे। अभी लखनऊ से दिल्ली आने में भारत की सबसे तेज ट्रेन वंदे भारत करीब 6 घंटे 20 मिनट लेती है। चीन में अभी 47,000 किलोमीटर हाई-स्पीड रेल ट्रैक का नेटवर्क है, जो देश के प्रमुख शहरों को जोड़ता है। हालांकि, यह नेटवर्क मुनाफे में नहीं है लेकिन सरकार का कहना है कि इसने आर्थिक और सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, बीजिंग-शंघाई ट्रेन सेवा सबसे ज्यादा मुनाफा कमाने वाली है जबकि अन्य रूट्स पर यह लाभकारी साबित नहीं हुई है।

भारतीय नर्स की फांसी को मंजूरी

सना। यमन में कैद भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को मिली मौत की सजा की भारतीय विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है। यमन के राष्ट्रपति ने मौत की सजा को मंजूरी दे दी है। हालांकि विदेश मंत्रालय ने आश्वासन दिया है कि सरकार इस मामले में हर संभव मदद मुहैया करा रही है। इसकी जानकारी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने दी है। केरल की रहने वाली निमिषा पर यमन के एक नागरिक तलाल अब्दो महदी की हत्या का आरोप है। निमिषा ने 2017 में महदी को ड्रग को ओवरडोज देकर मार दिया था। निमिषा और महदी यमन में एक प्राइवेट क्लिनिक में पार्टनर थे। आरोप है कि महदी ने निमिषा का पासपोर्ट कब्जे में ले रखा था और उसे प्रताड़ित करता था।

पूर्व राष्ट्रपति के खिलाफ अरेस्ट वारंट

सियोल। साउथ कोरिया में पद से हटाए गए राष्ट्रपति योन सुक योल के खिलाफ मंगलवार को सियोल की एक कोर्ट ने अरेस्ट वारंट जारी कर दिया है। यून को मॉर्शल लॉ लागू करने की नाकामयाब कोशिश के बाद 14 दिसंबर को महाभियोग लाकर पद से हटा दिया गया है। ऐसा देश में पहली बार हो रहा है जब किसी मौजूदा राष्ट्रपति के खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी किया गया है। सियोल की जिला अदालत ने करप्शन इंवेस्टिगेशन ऑफिस के सीनियर अधिकारियों के इसके लिए निर्देश दिए हैं। इसके अलावा उनके राष्ट्रपति आवास की तालाशी लेने के लिए भी आदेश दिए गए हैं। यून ने 4 दिसंबर को देर रात देश में इमरजेंसी (मार्शल लॉ) लागू करने की घोषणा की थी।

पाकिस्तान बना रहा देश का सबसे बड़ा न्यूक्लियर प्लांट

-1200 मेगावाट तक होगी क्षमता, चीन की मदद से डिजाइन तैयार

कराची। पाकिस्तान बिजली उत्पादन बढ़ाने के लिए अब तक का अपना सबसे बड़ा न्यूक्लियर पावर प्लांट बनाने जा रहा है। इसके लिए पाकिस्तान की परमाणु ऊर्जा नियामक एजेंसी ने देश में बिजली उत्पादन के लिए इसकी मंजूरी दे दी है। इस प्लांट की डिजाइन चीन की कंपनी हुआलोंग ने की है। पाकिस्तान परमाणु नियामक प्राधिकरण (पीएनआरए) ने बयान जारी कर कहा है कि पीएनआरए ने चश्मा परमाणु ऊर्जा संयंत्र इकाई पांच (सी-5) के निर्माण के लिए लाइसेंस जारी किया है, जो 1,200 मेगावाट क्षमता के साथ परमाणु ऊर्जा के जरिए बिजली उत्पादन करने वाला सबसे बड़ा प्लांट होगा। सी-5 तीसरी पीढ़ी का एडवांस प्रेशराइज्ड वॉटर रिएक्टर है। इसे बनाने में करीब 3.7 अरब अमेरिकी डॉलर खर्च किया जाएगा। इसके लिए पाकिस्तान की राष्ट्रीय आर्थिक परिषद की कार्यकारी समिति ने पहले ही मंजूरी दे दी है। इसमें डबल-शेल कंटेनमेंट और रिएक्टर-फिल्टर वेंटिंग सिस्टम शामिल हैं। ये प्लांट 60 साल तक अपनी सेवाएं देगा। पाकिस्तान में इस डिजाइन का तीसरा न्यूक्लियर पावर प्लांट है। इसके अलावा दो अन्य प्लांट कराची परमाणु ऊर्जा संयंत्र यूनिट 2 और 3, पहले से ही काम कर रहे हैं।

न्यूक्लियर सेफ्टी से जुड़े डॉक्यूमेंट की हुई जांच

रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान परमाणु ऊर्जा आयोग ने इस साल अप्रैल में लाइसेंस के लिए आवेदन किया था और उसने इसके साथ ही प्रारंभिक सुरक्षा आंकलन रिपोर्ट और परमाणु सुरक्षा, रेडिएशन प्रोटेक्शन, इमरजेंसी की तैयारी, वेस्ट मैनेजमेंट से जुड़े परिचालन संबंधी पहलुओं और डिजाइन के बारे में कई डॉक्यूमेंट्स भेजे थे। पाकिस्तान में अभी टोटल न्यूक्लियर पावर कैपेसिटी करीब 3500 मेगावाट है जो देश के कुल पावर प्रोडक्शन का लगभग 27 प्रतिशत है। पाकिस्तान के पास कराची-3 नाम का न्यूक्लियर प्लांट भी है जिसकी क्षमता करीब 1000 मेगावाट है।

मुख्यमंत्री का दौसा एवं डीग दौरा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नववर्ष से पूर्व मेहंदीपुर बालाजी धाम एवं पूंछरी का लौठा में श्रीनाथ जी के किए दर्शन

चमकता राजस्थान

- रैन बसरों में सभी बुनियादी सुविधाएं हों सुनिश्चित, खुले बोरवले ढंकवाएं अधिकारी
- जिला कलक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी की अध्यक्षता में हुआ साप्ताहिक समीक्षा बैठक का आयोजन
- अधिकारियों को जनसुनवाई के प्रकरणों के समयबद्ध निस्तारण के दिये निर्देश

जयपुर!(खलील कुरैशी) 31 दिसंबर। जिला कलक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को साप्ताहिक समीक्षा बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में जिला कलक्टर ने अधिकारियों को बढ़ती सर्दी एवं शीतलहर को देखते हुए जिले में पर्याप्त संख्या में रैन बसेरों का संचालन एवं समस्त रैन बसेरों में साफ-सफाई, बिस्तर, भोजन सहित सभी बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।जिला कलक्टर ने अधिकारियों को जिले में खुले बोरवेल एवं कुओं को ढंकवाने के साथ-साथ जिले में चाइनीज मांझे की ब्रिकी एवं उपयोग पर प्रभावी लगाम लगाने के निर्देश दिये जिला कलक्टर ने जनसुनवाई के दौरान प्राप्त प्रकरणों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के साथ ही अधिकारियों को कुर्रेजात, सीमाज्ञान, नामांतरण, पत्थरगढ़ी एवं भू-रूपांतरण सहित समस्त प्रकार के लंबित राजस्व वादों में भी कमी लाने के निर्देश दिये जिला कलक्टर ने अधिकारियों को रास्ता खोलो अभियान के तहत अधिक से अधिक ग्रामीणों को लाभांवित करने एवं खोले गए रास्तों पर जल्द से जल्द ग्रेवल सड़कों के निमार्ण के लिए आवशयक कार्यवाही करने के लिए भी निर्देशित किया उन्होंने बैठक में जिले में संचालित लोक कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन एवं कार्य प्रगति की समीक्षा की। जिला कलक्टर ने अधिकारियों को जिला स्तरीय जनसुनवाई में प्राप्त प्रकरणों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने, नियमित जनसुनवाई करने, राजकीय कार्यालयों, विद्यालयों, छात्रावासों का नियमित रूप से निरीक्षण करने एवं अधिक से अधिक रात्रि चौपाल कार्यक्रमों के आयोजन के निर्देश दिये।बैठक में राजस्थान संपर्क पोर्टल, मुख्यमंत्री सहायता कोष से जुड़े प्रकरणों की भी समीक्षा की गई। बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रथम) विनीता सिंह, अतिरिक्त जिला कलक्टर (द्वितीय) आशीष कुमार, अतिरिक्त जिला कलक्टर (तृतीय) कुंतल बिश्नोई, अतिरिक्त जिला कलक्टर (चतुर्थ) सुमन पंवार, जिला परिषद के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी शेर सिंह लुहाड़िया सहित नगर निगम, शिक्षा विभाग, सामाजिक न्या एवं अधिकारिता विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे। वहीं, समस्तर उपखण्ड अधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी, अधीशासी अधिकारी, ब्लॉक मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी वीसी के माध्यम से बैठक में जुड़े।

कितनी खतरनाक साबित हो सकती है बर्ड स्ट्राइक

लंदन (एजेंसी)। एरोप्लन के साथ बर्ड स्ट्राइक क्या होती है और कितनी खतरनाक साबित हो सकती है। आइए, इस बारे में आज जानकारी देते हैं। दरअसल विमान से जब पक्षियों की टक्कर होती है तो इसे बर्ड स्ट्राइक कहते हैं। यह विमान सुरक्षा के लिए सबसे सामान्य लेकिन गंभीर खतरों में से एक है। बर्ड स्ट्राइक ज्यादातर टेक-ऑफ और लैंडिंग के दौरान ही होती है। हालांकि, हर बर्ड स्ट्राइक घातक नहीं होती। लेकिन कुछ मामलों में यह बड़े हादसों का कारण बन सकती है। जब पक्षी विमान के ढांचे से टकराते हैं तो आमतौर पर यह गंभीर समस्या नहीं होती। लेकिन अगर पक्षी विमान के इंजन में घुस जाएं तो यह इंजन को क्षतिग्रस्त कर सकता है। जिससे थ्रस्ट (गति) की कमी और कंट्रोल में कठिनाई हो सकती है। इंजन में पक्षियों के फंसने से इंजन की फैन ब्लेड्स को भारी नुकसान हो सकता है। इससे इंजन फेल हो सकता है। ऐसी स्थिति में पायलट आमतौर पर विमान को नजदीकी एयरपोर्ट पर उतारने की कोशिश करते हैं।

अमेरिका में 2009 में बर्ड स्ट्राइक का बड़ा मामला सामने आया था। उस वक्त न्यूयॉर्क से उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों बाद यूएस एयरवेज की फ्लाइट 1549 के दोनों इंजन पक्षियों के झुंड से टकराने के कारण फेल हो गए। कैप्टन चेस्ली सुलनबर्गर ने विमान को हडसन नदी में सुरक्षित लैंड कराया और सभी 155 यात्री बच गए। छोटे विमानों को बर्ड स्ट्राइक से ज्यादा नुकसान पहुंचता है। हालांकि, बड़े यात्री विमान जैसे बोइंग 737 और एयरबस ए320 एक इंजन के सहारे भी सुरक्षित लैंडिंग करने में सक्षम होते हैं। लेकिन टेक-ऑफ और लैंडिंग जैसे महत्वपूर्ण चरणों के दौरान बर्ड स्ट्राइक पायलट का ध्यान भटका सकती है। जिससे हादसे की संभावना बढ़ जाती है। एयरपोर्ट के आसपास पक्षियों की मौजदूगी बर्ड स्ट्राइक की सबसे बड़ी वजह है। मानसून के दौरान पानी के जमाव और कीड़ों की बढ़ती संख्या पक्षियों को इन इलाकों में आकर्षित करती है। इसके अलावा एयरपोर्ट के पास कूड़े के ढेर या लैंडफिल साइट्स भी पक्षियों की गतिविधि को बढ़ा सकते हैं। 2019 में अहमदाबाद एयरपोर्ट पर हर 10,000 उड़ानों में 11 वाइल्डलाइफ स्ट्राइक की घटनाएं हुईं। इसका एक बड़ा कारण कूड़े के ढेर को हटाने के बाद पक्षियों का बेतरतीब उड़ान भरना था। भारत में नागरिक उड्डयन मंत्रालय और डीजीसीए ने वाइल्डलाइफ स्ट्राइक को प्राथमिकता दी है। एयरपोर्ट के आसपास पक्षियों और जानवरों की उपस्थिति को कम करने के लिए नियमित निरीक्षण किए जाते हैं। आधुनिक जेटलाइनर में टर्बोफैन इंजन होते हैं। जिनमें पक्षियों के टकराने से गंभीर क्षति हो सकती है। इंजन निर्माता इसकी सुरक्षा जांच के लिए तेज गति से चल रहे इंजन पर जमी हुई मुर्गी को फायर करके परीक्षण करते हैं। दक्षिण कोरिया में हुए प्लैन क्रैशन ने फिर से विमान सुरक्षा में बर्ड स्ट्राइक की गंभीरता को उजागर किया है। बता दें कि दक्षिण कोरिया के भयानक प्लेन क्रैश में 170 से अधिक लोगों की जान चली गई। यह हादसा मुआन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उस वक्त हुआ जब विमान लैंडिंग करते समय रनवे से फिसलकर दीवार से टकरा गया। देखते ही देखते पूरा विमान आग की लपटों में घिर गया। मुआन फायर स्टेशन के प्रमुख ली जियोंग-ह्योन ने क्रैश के कारणों के बारे में पूछे जाने पर कहा कि विमान पर चिड़ियों की टक्कर (बर्ड स्ट्राइक) भी इस हादसे का संभावित कारण हो सकती है।

शपथ लेने से पहले ट्रंप को झटका, यौन शोषण मामले में कोर्ट ने नहीं दी राहत

-कोर्ट ने अपील की खारिज, 50 लाख अमेरिकी डॉलर के हर्जाने को रखा बरकरार

वॉशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिकी की अपीलीय अदालत ने नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को यौन शोषण मामले में राहत देने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने ट्रंप की अपील को खारिज करते हुए फैसले को बरकरार रखा है, जिसमें ट्रंप को लेखिका कैरोल के यौन शोषण और मानहानि के लिए 5 मिलियन डॉलर देने का आदेश दिया गया था। यह मामला 1996 में मैनहट्टन के डिपार्टमेंटल स्टोर में हुई घटना से जुड़ा है।

जूरी ने पिछले साल मुकदमे के बाद ट्रंप को दोषी माना था और आदेश दिया था। इसके खिलाफ ट्रंप ने अपील की थी लेकिन उनकी अर्जी अब खारिज कर दी गई है। ट्रंप के खिलाफ ये फैसला ऐसे समय आया है, जब वह दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति पद की शपथ लेने वाले हैं। अमेरिकी सर्किट अपीली अदालत ने फैसले में जीन कैरोल के मानहानि और यौन शोषण के लिए मैनहटन के जूरी की ओर से ट्रंप पर लगाए गए 50 लाख अमेरिकी डॉलर के हर्जाने को बरकरार रखा है।

कैरोल ने 2023 के एक मुकदमे में गवाही दी थी कि 1996 में एक दोस्ताना मुलाकात में ट्रंप ने उनका यौन शोषण किया था, जब वे अचानक स्टोर के ड्रेसिंग रूम में घुस गए थे। डोनाल्ड ट्रंप ने इस बात से इनकार किया कि इस तरह की कोई घटना हुई, लेकिन अदालत से लगातार उन्हें झटके लग रहे हैं। कैरोल, एक पत्रिका की स्तंभकार रही है। उनके यौन शोषण के लिए ट्रंप को 2 मिलियन डॉलर और मानहानि के लिए 3 मिलियन डॉलर का भुगतान करने का आदेश अदालत ने दिया है।

ट्रंप के प्रवक्ता ने कहा कि यौन शोषण और मानहानि के मामले में 5 मिलियन डॉलर के हर्जाने के खिलाफ आगे अपील करेंगे। चेउंग ने एक बयान में कहा कि अमेरिकी लोगों ने भारी बहुमत से राष्ट्रपति ट्रम्प को फिर चुना है। वे हमारी न्याय प्रणाली के राजनीतिक हथियारीकरण को तत्काल खत्म और सभी विच हंट्स को तुरंत खारिज करने की मांग करते हैं।

सीरिया में पूर्व शासन के अवशेष के खिलाफ हवाई हमले तेज

दमिष्क ।युदधग्रस्त सीरिया के सैन्य बलों ने पूर्व शासन के अवशेष के खिलाफ हवाई हमले तेज कर दिए हैं। एक बयान का हवाला देते हुए बताया कि हेलीकॉप्टर ग्रामीण लताकिया में इस्तामो एयरफील्ड से उड़ान भर रहे हैं, जो तटीय ग्रामीण इलाकों में अभी भी सक्रिय सशस्त्र तत्वों को निशाना बना रहे हैं, जिसमें उपयोग में आने वाले हेलीकॉप्टरों की संख्या या ऑपरेशन के दायरे के बारे में विस्तार से नहीं बताया गया है। अंतरिम प्रशासन पूर्व शासन के अवशेष असद सरकार के लिए लड़ रहे सशस्त्र लड़ाकों को कह रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, यह तैनाती राष्ट्रीय स्तर पर सुरक्षा उपायों की एक श्रृंखला के तहत की गई है, जिसका उद्देश्य नए नेतृत्व की सत्ता को मजबूत करना है। शनिवार को सीरिया के नवनियुक्त खुफिया प्रमुख अनस खत्ताब ने एक आधिकारिक बयान में देश की सुरक्षा व्यवस्था को हमारे लोगों की बलिदानों और लंबी धरोहर के अनुरूप पुनर्गठित करने का वादा किया। खत्ताब ने कहा कि सीरिया की सभी मौजूदा सुरक्षा शाखाओं को खत्म कर दिया जाएगा और उनका पुनर्गठन किया जाएगा। हालांकि, उन्होंने इस पुनर्गठन के लिए कोई समयसीमा या विशिष्ट विवरण प्रदान नहीं किया। खत्ताब की ओर से यह घोषणा ऐसे समय में की गई है जब सीरिया 8 दिसंबर को पिछली सरकार के पतन के बाद एक संवेदनशील राजनीतिक परिवर्तन से गुजर रहा है। हयात तहरीर अल-शाम के नेतृत्व में एक सैन्य गठबंधन ने 27 नवंबर को उत्तरी सीरिया से एक बड़े सैन्य अभियान की शुरुआत की। इसने दक्षिण की ओर बढ़ते हुए राजधानी दमिश्क पर कब्जा किया और 12 दिनों के भीतर पूर्व सीरियाई राष्ट्रपति बशर अल-असद की सरकार को उखाड़ फेंका। सीरियाई सूचना मंत्रालय ने सीरियाई लोगों के बीच विभाजन फैलाने के उद्देश्य से सांप्रदायिक लहजे वाली किसी भी मीडिया सामग्री या समाचार के प्रसार या प्रकाशन पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की। सीरियाई गृहयुद्ध ने सांप्रदायिक रूप लिया क्योंकि असद ने मध्य पूर्व से शिया मिलिशिया को अपने यहां पैर जमाने की खुली छूट दी। मीडिया ने बताया कि पुलिस ने हिंसक प्रदर्शन के बाद बुधवार रात कर्फ्यू लगा दिया। स्थानीय लोगों के अनुसार प्रदर्शन में अलावी और शिया धार्मिक समुदायों के सदस्य शामिल थे।

तालिबान का नया फरमान, अफगानिस्तान में अब घरों में नहीं होंगी खिड़कियां

-सर्वोच्च नेता का आदेश- महिलाओं को देखने से हो सकती अश्लील हरकतें

काबुल (एजेंसी)। अफगानिस्तान में महिलाओं के हालात जस के तस बने हुए हैं। लोगों का आस थी कि यहां हालात बदलेंगे और महिलाओं को उनके अधिकारी मिलेंगे लेकिन अब महिलाओं के खिलाफ एक नया कानून बना दिया गया है। नए कानून में घरों में खिड़कियां नहीं होनी चाहिए। महिलाएं बाहर न देखें इस लिए यह कानून बनाया है। तालिबान सरकार के सर्वोच्च नेता ने यह आदेश जारी किया है। इसमें कहा गया है कि महिलाओं की झलक मिलने से अश्लील हरकतें हो सकती हैं। तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने एक्स पर पोस्ट कहा कि नई इमारतों में ऐसी खिड़कियां नहीं होनी चाहिए। उन्होंने लिखा कि महिलाओं को किचन में काम करते हुए, बरामदे में आते-जाते या कुएं से पानी लेते हुए देखने से अश्लील हरकतें हो सकती हैं। तालिबान सरकार के मुताबिक म्यूनिसिपल अधिकारी और अन्य संबंधित विभाग नए बन रहे घरों पर नजर रखेंगे। उन्हें यह ध्यान रखना होगा कि इन घरों में पड़ासियों के घर की तरफ खिड़की या झरोखा न खुला हो। अगर किसी घर में पहले से पड़ोसी के घर की तरफ खिड़की खुली है तो इसके लिए उसे इंतजाम करने होंगे। मकान मालिक को या तो खिड़की तरफ दीवार बनानी होगी या फिर कुछ ऐसा इंतजाम करना होगा, जिससे पड़ोसी उस जगह से घर में न देख सके। न तो महिलाओं को बाहर से कोई देख पाए और न ही वो किसी बाहरी आदमी को देख पाएं। गौरतलब है कि अगस्त 2021 में सत्ता में आने के बाद से ही तालिबान सरकार महिलाओं के अधिकारों पर प्रतिबंध लगा रही है।

भारत पर लगा मुइज्जू को हटाने की साजिश का आरोप, नशीद ने किया बचाव

पूर्व राष्ट्रपति ने कहा- भारत हमेशा मालदीव के लोकतंत्र का समर्थक रहा है

माले (एजेंसी)। अमेरिकी में एक अखबार की रिपोर्ट में दावा किया गया है मालदीव की विपक्षी मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) के नेताओं ने राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू को हटाने की साजिश के लिए भारत से 6 मिलियन डॉलर की मदद मांगी थी। रिपोर्ट के मुताबिक कथित तौर पर भारत की खुफिया एजेंसी रॉ का एक एजेंट मालदीव के विपक्षी नेताओं के संपर्क में था ताकि मुइज्जू के राष्ट्रपति बनने के कुछ ही महीनों बाद उन्हें सत्ता से हटाया जा सके। इन आरोपों पर मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद ने भारत के समर्थन में आ गए हैं।

मोहम्मद नशीद ने कहा कि भारत हमेशा मालदीव के लोकतंत्र का समर्थक रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक डेमोक्रेटिक रिन्युअल इनिशिएटिव नामक एक आंतरिक दस्तावेज में विपक्षी नेताओं ने 40 सांसदों को रिश्वत देने का प्रस्ताव रखा था, जिसमें मुइज्जू की पार्टी पीपल्स नेशनल कांग्रेस के सदस्य भी शामिल थे, ताकि उनके खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पारित किया जा सके। रिपोर्ट में कहा गया है कि विभिन्न पार्टियों को भुगतान करने के लिए साजिशकर्ताओं ने 6 मिलियन डॉलर की मांग की जो भारत से जुटाए जाने की बात कही गई।

रिपोर्ट में दावे के मुताबिक अमेरिका में भारतीय दूतावास में रॉ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पूर्व आईपीएस अधिकारी ने शिरीष थोरेट और पत्रकार-राजनेता सवियो रोड्रिग्स के साथ मिलकर मुइज्जू को हटाने की चर्चा की। रिपोर्ट के मुताबिक थोरेट और रोड्रिग्स ने योजना की पुष्टि की, लेकिन यह नहीं बताया कि वे भारत सरकार की ओर से काम कर रहे थे या नहीं। भारत की तरफ से इसपर कोई टिप्पणी नहीं आई है।

मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति ने एक्स पर पोस्ट में लिखा- मुझे राष्ट्रपति के खिलाफ किसी गंभीर साजिश की जानकारी नहीं थी; हालांकि कुछ लोग हमेशा षड्यंत्र की दुनिया में जीते हैं। भारत कभी भी ऐसे कदम का समर्थन नहीं करेगा, क्योंकि वे हमेशा मालदीव के लोकतंत्र का समर्थन करता है। भारत ने कभी भी हम पर शर्तें नहीं थोपी है।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जिमी कार्टर का 9 जनवरी को डीसी में होगा अंतिम संस्कार

-ट्रप ने कहा-कार्टर ने जिन चुनौतियों का सामना किया, वह देश के लिए अहम समय था

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जिमी कार्टर का अंतिम संस्कार 9 जनवरी को वाशिंगटन डीसी में किया जाएगा। अंतिम संस्कार का दिन राष्ट्रपति जो बाइडेन ने राष्ट्रीय शोक दिवस घोषित किया है। बाइडेन पूर्व राष्ट्रपति कार्टर के लिए एक श्रद्धांजलि भाषण दे सकते हैं। कार्टर के सम्मान में 9 जनवरी को संघीय कार्यालयों को बंद करने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने घोषणा की कि शोक दिवस के मौके पर 9 जनवरी को कोर्ट भी बंद रहेगा। कार्टर का रविवार को 100 साल की उम्र में निधन हो गया था।

कार्टर को सम्मानित करने वाली सेवाएं 4 जनवरी से शुरू होंगी। इसमें जॉर्जिया में उनके बचपन के घर और पारिवारिक फार्म पर पार्थिव देह ले जाई जाएगी। फिर जॉर्जिया स्टेट कैपिटल में रखा जाएगा। वाशिंगटन, डीसी जाने से पहले, कार्टर का शव 7 जनवरी तक अटलांटा के कार्टर प्रेसिडेंशियल सेंटर में रखा जाएगा। इसके बाद उनके पार्थिव शरीर यूएस नेवी मेमोरियल और फिर यूएस कैपिटल ले जाया जाएगा। कैपिटल पहुंचने पर 7 जनवरी को कांग्रेस के सदस्य दिवंगत राष्ट्रपति को श्रद्धांजलि देंगे। राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई 9 जनवरी को सुबह 10 बजे नेशनल कैथेड्रल में दी जाएगी।

सांसदों ने एक संयुक्त बयान में कह कि राष्ट्र के प्रति राष्ट्रपति कार्टर की लंबी और विशिष्ट सेवा को सम्मानित करते हुए उनके अवशेषों को संयुक्त राज्य कैपिटल के रोटुंडा में रखा जाए ताकि अमेरिकी जनता को भी राष्ट्रपति कार्टर को अंतिम विदाई देने का मौका मिल सके। रविवार को ट्रुथ सोशल पर अमेरिका के नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी कार्टर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए लिखा- राष्ट्रपति के रूप में जिमी कार्टर ने जिन चुनौतियों का सामना किया, वह हमारे देश के लिए एक अहम समय था और उन्होंने लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए कोशिश की। उन्होंने हमेशा अमेरिकियों के लिए काम किया। ट्रंप ने कहा कि इसलिए हम सभी उनके आभारी हैं।

कार्टर को 2002 में उनके वैश्विक मानवाधिकार कार्यों के लिए नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया था, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान के लिए उनके दशकों तक किए गए कठिन प्रयास भी शामिल थे। कार्टर ने 1982 में अपनी पत्नी के साथ कार्टर सेंटर की स्थापना की और इसके जरिए उन्होंने विकासशील देशों में मानवाधिकारों की बहाली और लोकतांत्रिक संस्थानों के निर्माण पर दशकों तक काम किया।

बुमराह, रूट सहित चार खिलाड़ी आईसीसी के सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर के लिए नामांकित

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के साल के सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर के लिए नामांकित किया गया है। बुमराह के अलावा इस पुरस्कार की दौड़ में ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड और इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट और हैरी ब्रुक भी हैं। बुमराह ने टी20 विश्वकप के आठ मैचों में 15 विकेट लिए, जिसमें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में लिए दो विकेट भी शामिल हैं, जिससे भारतीय टीम 2024 टी20 विश्व कप में अपराजेय रही है।

बुमराह ने 13 टेस्ट मैचों में 71 विकेट लेकर टेस्ट प्रारुप में भी शानदार रिकार्ड बनाया है। ऑस्ट्रेलिया में चल रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में बुमराह 12.83 की औसत से 30 विकेट लेकर सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में सबसे आगे हैं। उन्होंने 200 टेस्ट विकेट भी पूरे किये हैं। वह 20 से कम औसत के साथ यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले गेंदबाज हैं। वहीं बल्लेबाजी की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड ने भी सभी प्रारूपों में अच्छा प्रदर्शन किय है। 2023 आईसीसी विश्व कप फाइनल के बाद से ही हेड जबरदस्त फॉर्म में हैं। उन्होंने 2024 टी20 विश्व कप में सात पारियों में 255 रन बनाये थे। इसके अलावा टेस्ट प्रारुप की बात करें तो मौजूदा बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में वह सबसे ज्यादा रन बनाने वाला खिलाड़ी बने हैं। वहीं इंग्लैंड के प्रमुख बल्लेबाज रूट भी पुरस्कार की दौड़ में शामिल हैं। रुट ने 17 टेस्ट में 55.57 की औसत से 1556 रन बनाए हैं। इससे पहले साल 2021 में उन्होंने 1708 रन बनाये थे। छह टेस्ट शतकों और पांच अर्द्धशतकों के साथ, रूट भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर राहुल द्रविड़ के साथ टेस्ट में संयुक्त रूप से पांचवें सबसे ज्यादा 36 शतक बनाने वाला बल्लेबाज बने हैं। रूट ने भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज में चार विकेट भी लिए हैं। इंग्लैंड के ही युवा क्रिकेट हैरी ब्रूक भी साल के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में शामिल हैं। हैरी ने ने 12 टेस्ट में 55 की औसत से 1100 रन बनाए, जिसमें तीन अर्द्धशतक और चार शतक शामिल हैं। जिसमें एक तिहरा शतक भी है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने 2024 की अपनी टेस्ट टीम का बुमराह को बनाया कप्तान, यशस्वी भी शामिल

मेलबर्न (एजेंसी)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने साल 2024 की अपनी पुरुष टेस्ट टीम घोषित की है। इसकी कप्तानी भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह मिली है। वहीं बुमराह के अलावा युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को भी छह देशों के खिलाड़ियों वाली अंतिम ग्यारह में जगह मिली है। इस टीम में सीए ने ऑस्ट्रेलिक के केवल दो खिलाड़ियों विकेटकीपर-बल्लेबाज एलेक्स कैरी और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड को अंतिम ग्यारह में शामिल किया है। इस टीम में इंग्लैंड के जो रूट, बेन डकेट और हैरी ब्रुक के साथ ही न्यूजीलैंड के रचिन रवींद्र और मैट हेनरी को भी शामिल किया गया है। वहीं दक्षिण अफ्रीका के केशव महाराज और श्रीलंका के कामिंडू मेंडिस को भी इस टीम में शामिल किया गया है।यशस्वी को जगह मिलने का कारण उनका इस साल का प्रदर्शन रहा। यशस्वी ने इस साल अनुभवी बल्लेबाज़ों की तरह खेलते हुए । लगातार दोहरे शतक लगाकर इंग्लैंड के ख़िलाफ़ घरेलू टेस्ट सीरीज़ में टीम की जीत तय की। वहीं पर्थ में भारतीय टीम की जीत में उनकी 161 रनों की पारी अहम रही। इस युवा बल्लेबाज ने एक कैलेंडर वर्ष में किसी भारतीय सलामी बल्लेबाज द्वारा सबसे ज़्यादा रन बनाने और एक साल में दुनिया भर में सबसे ज़्यादा 36 छक्के लगाने का रिकॉर्ड बनाया। वहीं इंग्लैंड के डकेट ने आक्रामक अंदजा मे खेलते हुए भारत दौरे में राजकोट में 153 रन और मुल्तान में 114 रनों की पारियां खेलीं। 87.04 का उनका स्ट्राइक रेट रहा। वहीं रूट ने साल 2024 में ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए छह शतक लगाये और 11 विकेट लिए, लॉर्ड्स में श्रीलंका के ख़िलाफ़ एक दोहरा शतक शतक और मुल्तान में नाबाद 262 रनों की पारी भी उनके नाम रही। जिससे टीम को पाकिस्तान पर जीत हासिल करने में सहायता मिली। इस दौरान उन्होंने 11 विकेट भी लिए। वहीं न्यूजीलैंड के रविंद्र ने भारत में कीवी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाते हुए 134 रन की पारी खेली। उन्होंने घरेलू मैदान पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दोहरा शतक भी बनाया। वहीं इंग्लैंड के युवा बल्लेबाज ब्रूक ने न्यूजीलैंड के खिलाफ निर्णायक शतक लगाने के साथ ही मुल्तान में 317 रन की शानदार पारी खेलकर विरोधी टीम पर दबाव बनाया। वहीं श्रीलंका के मेंडिस ने 13 पारियों में चार शतकों के साथ ही 1,000 रन बनाकर ब्रैडमैन के रिकॉर्ड की बराबरी की। ऑस्ट्रेलिया के कैरी ने 46 शिकार के साथ स्टंप के पीछे असाधारण प्रदर्शन किया। इसके साथ ही क्राइस्टचर्च में उनकी नाबाद 98 रन की पारी वर्ष की सर्वश्रेष्ठ चौथी पारी में से एक थी। हेनरी न्यूजीलैंड के प्रमुख गेंदबाज के रूप में उभरे, जिन्होंने भारत के खिलाफ 15 रन देकर पांच विकेट लिए। बुमराह का 2024 का प्रदर्शन ऐतिहासिक रहा, जिसमें उन्होंने 13 मैचों में 14.92 की औसत से 71 विकेट लिए, जिससे वे इस साल के सबसे बेहतरीन गेंदबाज बन गए जबकि ऑस्ट्रेलिया के हेजलवुड ने 14 से कम की औसत से गेंदबाजी करते हुए अपनी श्रेष्ठता बरकरार रखी। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका के केशव महाराज ने अपनी गेंदों से विरोधी टीमों पर दबाव बनाये रखा। इस टीम पाकिस्तान और बांग्लादेश के किसी भी क्रिकेटर को जगह नहीं मिली।

टीम इस प्रकार है जसप्रीत बुमराह (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, बेन डकेट, जो रूट, रचिन रवींद्र, हैरी ब्रुक, कामिंडू मेंडिस, एलेक्स कैरी (विकेट कीपर), मैट हेनरी, जोश हेजलवुड, केशव महाराज।

दीप्ति शर्मा आईसीसी महिला गेंदबाजी रैंकिंग में पांचवें स्थान पर पहुंची

दुबई (एजेंसी)। भारतीय ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा वेस्टइंडीज के खिलाफ स्वदेश में हाल में संपन्न श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन की बदौलत अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की महिला एकदिवसीय गेंदबाजी रैंकिंग में एक स्थान के फायदे से पांचवें पायदान पर पहुंच गई। शीर्ष पांच में जगह बनाने वाली दीप्ति के अब 665 रेटिंग अंक हैं और वह चौथे स्थान पर चल रही दक्षिण अफ्रीका की मारिजेन कैप से 12 अंक पीछे हैं।

27 साल की दीप्ति ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैच में आठ विकेट चटकाए थे जिसमें अंतिम मैच में 31 रन देकर छह विकेट भी शामिल है। भारत ने वडोदरा में यह एकदिवसीय श्रृंखला 3-0 से जीतकर क्लीनस्वीप किया था। बल्लेबाजों की सूची में जेमिमा रोड्रिग्स 537 अंक के साथ शीर्ष 20 में जगह बनाने के करीब हैं। श्रृंखला में 29 और 52 रन की पारियां खेलकर वह चार स्थान के फायदे से 22वें स्थान पर हैं। आक्रामक बल्लेबाज रिचा घोष भी सात स्थान के फायदे से 41वें पायदान पर हैं। उनके 448 रेटिंग अंक हैं।

वेस्टइंडीज की चिनेल हेनरी तीसरे एकदिवसीय में अर्धशतक की बदौलत 21 स्थान की लंबी छलांग के साथ 65वें स्थान पर हैं। श्रृंखला में दो अर्धशतक बनाने वाली भारत की स्टार सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना (720 अंक) हालांकि एक स्थान के नुकसान से तीसरे स्थान पर खिसक गई। दक्षिण अफ्रीका की लॉरा वोलवार्ट (773) और श्रीलंका की चामरी अटापट्टू (733) उनसे आगे हैं। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर तीन स्थान के नुकसान से 13वें स्थान पर हैं। वडोदरा में अपने करियर की सातवां एकदिवसीय शतक जड़ने वाली हेली मैथ्यूज छह स्थान के फायदे से बल्लेबाजी रैंकिंग में सातवें स्थान पर पहुंच गई हैं।

खो-खो विश्व कप का शेड्यूल जारी, 13 जनवरी से शुरू होंगे मुकाबले

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष टीम 13 जनवरी से शुरू होने वाले पहले खो - खो विश्व कप के शुरुआती दिन अपने अभियान का आगाज ग्रुप ए में नेपाल के खिलाफ यहां के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में करेगी जबकि महिला टीम इसके अगले दिन दक्षिण कोरिया के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगी। 13 से 19 जनवरी तक आयोजित होने वाले इस विश्व कप के पुरुष और महिला वर्ग में क्रमश=20 और 19 टीमें भाग ले रही है।

खो-खो विश्व कप आयोजन समिति के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने मंगलवार को बताया कि टीमों को चार ग्रुप में बांटा गया है। प्रत्येक ग्रुप में शीर्ष पर रहने वाले दो टीमें नॉकआउट चरण (क्वार्टर फाइनल) के लिए क्वालीफाई करेंगी। पुरूष वर्ग में भारत और नेपाल के अलाव ग्रुप ए में पेरू, ब्राजील और भूटान की टीमें हैं।

महिलाओं के वर्ग में ग्रुप ए में भारत और दक्षिण कोरिया के साथ ईरान और मलेशिया की टीमें है। भारतीय पुरुष टीम इसके बाद 14 जनवरी को ब्राजील, 15 जनवरी को पेरु, 16 जनवरी को भूटान के खिलाफ खेलेगी। महिला टीम 15 जनवरी को ईरान और 16 जनवरी को मलेशिया की चुनौती का सामना करेगी। टूर्नामेंट में दोनों वर्गों का क्वार्टर फाइनल 17 जनवरी, सेमीफाइनल 18 जनवरी और फाइनल 19 जनवरी को खेला जाएगा।

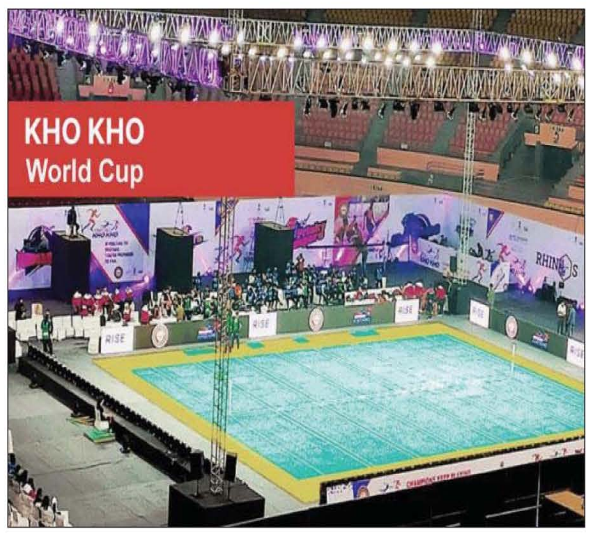

विश्व कप के लिए पुरुष टीमों का ग्रुप

ग्रुप ए : भारत, नेपाल, पेरू, ब्राजील और भूटान

ग्रुप बी : दक्षिण अफ्रीका, घाना, अर्जेंटीना, नीदरलैंड और ईरान

ग्रुप सीः बांग्लादेश, श्रीलंका, दक्षिण कोरिया, अमेरिका और पोलैंड

ग्रुप डी : इंग्लैंड, जर्मनी, मलेशिया, ऑस्ट्रेलिया और कीनिया

विश्व कप के लिए महिला टीमों का ग्रुप

ग्रुप ए : भारत, ईरान, मलेशिया और दक्षिण कोरिया

ग्रुप बी : इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, कीनिया, युगांडा और नीदरलैंड

ग्रुप सी : नेपाल, भूटान, श्रीलंका, जर्मनी और बांग्लादेश

ग्रुप डी : दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, पोलैंड, पेरू और इंडोनेशिया

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ने दी रोहित को संन्यास की सलाह

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर मार्क वॉ ने भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा को संन्यास की सलाह दी है। मार्क ने साथ ही कहा कि अगर वह चयनकर्ता होते तो रोहित को संन्यास लेने को कह देते। रोहित टी20 विश्व कप के बाद से ही फार्म में नहीं हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में भी वह रन नहीं बना पाये थे। इससे वह आलोचकों के साथ ही पूर्व क्रिकेटरों के भी निशाने पर हैं। मार्क के इस बयान का कुछ लोगों ने समर्थन किया है। वहीं कुछ ने कहा कि उन्हें पहले अपनी टीक के मिचेल मार्श का रिकार्ड देखना चाहिये। मार्श भी इस सीरीज में विफल रहे हैं। वॉ ने कहा, अगर मैं अभी चयनकर्ता होता तो कहता कि मेलबर्न में जब रनों की जरुरत थी तो वह दूसरी पारी में केवल 9 रन ही बना पाये। ऐसे में सिडनी में आपको नहीं लिया जा सकता। मैं कहता, रोहित आपकी सेवा के हम आभारी हैं। आप एक बेहतरीन खिलाड़ी रहे हैं पर हम अब जसप्रीत बुमराह को कप्तान बनाने जा रहे हैं और यह आपके करियर का अंत होगा। रोहित के लिएए यह सीरीज किसी खराब सपने से कम नहीं रही है। उन्होंने 5 पारियों में 31 रन बनाए हैं, जबकि कप्तान के तौर पर भी वह बहुत सफल नहीं रहे हैं। वहीं भारत ने पहला टेस्ट बुमराह की कप्तानी में शानदार तरीके से जीता था। रोहित ने एडिलेड टेस्ट में कप्तानी संभाली थी जिसमें टीम को करारी हार का सामना करना पड़ा था। वहीं तीसरा मैच भारतीय टीम बड़ी मुश्किल से बचा पायी जबकि चौथे टेस्ट में उसे करारी हार का सामना करना पड़ा।

भारतीय टीम अंतिम टेस्ट में हारी तो डब्ल्यूटीसी से बाहर होगी

मुम्बई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बॉक्सिंग डे टेस्ट में मिली 184 रनों की बढ़ी जीत के साथ ही आगामी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) फाइनल के लिए अपनी दावेदारी और पक्की कर ली है। वहीं अब अगर ऑस्ट्रेलिया अगर 3 जनवरी से सिडनी में शुरू होने वाले अंतिम टेस्ट को ड्रा करा लेता है या जीत हासिल कर लेता है तो भारतीय टीम डब्ल्यूटीसी से बाहर हो जाएगी। ऑस्ट्रेलिया ने इस चक्र में अपनी 10वीं जीत के साथ फाइनल खेलने की अपनी संभावनाओं को बढ़ाया है। उसका अंक प्रतिशत पीसीटी 58.89 से बढ़कर 61.45 पहुंच गया हैं। अब तक केवल एक टीम दक्षिण अफ्रीका फाइनल में पहुंची है। वहीं चौथे टेस्ट में हार से भारत की डब्लयूटीसी फाइनल की संभावनाओं को करारा झटका लगा है। इस हार के साथ तीसरे स्थान पर मौजूद भारत का पीसीटी 55.89 से घटकर 52.77 हो गया। इस चक्र में भारत की ये सातवीं हार है।

इससे पहले अपनी धरती पहले घर पर न्यूजीलैंड के खिलाफ मिली टेस्ट सीरीज में हार और अब ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर 5 टेस्ट मैचों की सीरीज में दूसरी हार से भारत मुश्किल में आ गया था। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम से बॉक्सिंग डे टेस्ट हारकर भारतीय टीम के सीधे प्रवेश की संभावनएं समाप्त हो गयी हैं और उसे अब अन्य टीमों के परिणामों पर भी निर्भर रहना होगा। सिडनी में अगर भारतीय टीम जीत दर्ज करती है तो उसका पीसीटी 55.26 हो जाएगा, जिससे उसकी उम्मीदें बनी रहेंगी। इसके साथ ही भारतीय टीम को दुआ करनी होगी कि श्रीलंका 1-0 से ऑस्ट्रेलिया को हरा दे।

विश्व कप जीतना चाहते हैं हरमनप्रीत

नई दिल्ली ।भारत की सीनियर पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा है कि वह अपने करियर में आज तक विश्व कप में पदक नहीं जीत पाये हैं और इस कमी को 2026 में होने वाले टूर्नामेंट में पूरा करना चाहते हैं। भारत ने विश्व कप में अभी तक तीन पदक जीते हैं।उसने 1971 (बार्सिलोना) में कांस्य, 1973 में रजत (एम्स्टेलवीन, नीदरलैंड) और 1975 (कुआलालंपुर) में स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद से ही भारतीय टीम विश्वकप में पदक नहीं जीत पायी है। हरमनप्रीत तोक्यो और पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य थे। पेरिस ओलंपिक खेलों में उनकी कप्तानी में टीम ने कांस्य पदक जीता था। वह 2016 में लखनऊ में जूनियर विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य भी थे। हरमनप्रीत ने कहा कि हमारा लक्ष्य हमेशा ओलंपिक में स्वर्ण पदक और विश्व कप में पदक जीतना होगा। हमने पेरिस में जिस तरह से प्रदर्शन किया उससे पता चलता है कि हम किसी भी शीर्ष टीम का सामना करके जीत हासिल कर सकते हैं। हमने लंबे समय से विश्व कप में पदक नहीं जीता है और मैं अपने करियर में इसे जीतना चाहता हूं। हरमनप्रीत ने कहा कि उम्मीद है कि हम अपने करियर के दौरान उन सुनहरे दिनों को फिर से हासिल कर सकेंगे।

हार्दिक पांड्या से अच्छी है नितीश की बल्लेबाजी: गावस्कर

मेलबर्न (एजेंसी) । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने टीम के युवा ऑलराउंडर नितीश रेड्डी की जमकर प्रशंसा की है। गावस्कर का मानना है कि नितीश बल्लेबाजी के मामले में अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या से बेहतर है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में नितीश ने अब तक अच्छी बल्लेबाजी की है। इस युवा ने मेलबर्न में विपरीत हालातों में 114 रनों की शानदार पारी खेली थी। नितीश ने पहली पारी में शतक लगाकर भारतीय टीम को मैच में बनाए रखा था। गावस्कर नितीश के दृढ़ संकल्प से काफी प्रभावित हैं, उन्होंने उन्हें भारतीय क्रिकेट के सबसे चमकदार युवा सितारों में से एक बताया। उन्होंने यह भी कहा कि नितीश की बल्लेबाजी हार्दिक पांड्या से कहीं बेहतर है।

मेलबर्न टेस्ट में नितीश पहली पारी में नंबर 8 पर बल्लेबाजी करने आए थे। गावस्कर ने लिखा, मेलबर्न टेस्ट से भारतीय क्रिकेट के सबसे चमकते युवा सितारों में से एक नीतीश कुमार रेड्डी सामने आये हैं। वह आईपीएल में हैदराबाद फ्रैंचाइजी के लिए अपने बेहतरीन प्रदर्शन से भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों की नजर में आये हैं गावस्कर ने कहा, पर्थ में अपने पहले टेस्ट मैच में ही यह स्पष्ट हो गया था कि यह एक ऐसा क्रिकेटर है जो हालातों को समझ सकता है और उसके अनुसार खेल सकता है। प्रत्येक अगले टेस्ट मैच के साथ वह बेहतर समझ वाला खिलाड़ी बनता गया है।

नीतीश ने पहले पर्थ और एडिलेड में 40 रन की पारियां दर्ज की थीं। वह हालांकि अपनी गेंदबाजी में सुधार करना चाहेंगे क्योंकि उन्होंने गेंद से बहुत कम प्रदर्शन किया है। गेंद के साथ क्षमता हासिल करने से उन्हें भारत के लिए एक अच्छे मैच विजेता ऑलराउंडर के रूप में उभरने में मदद मिलेगी। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के चार टेस्ट मैचों में नीतीश ने 294 रन बनाने के साथ ही 3 विकेट भी लिए।

गावस्कर ने कहा, मेलबर्न में, जब भारत मुश्किल में था, तो उन्होंने शानदार शतक बनाया जिसने आने वाले लंबे समय के लिए टीम में उनकी जगह पक्की कर दी।

ऑकलैंड में बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पायीं तो संन्यास लेंगी ओसाका

ऑकलैंड ।जापानी की महिला टेनिस स्टार नाओमी ओसाका ने कहा कि अगर ऑकलैंड में एएसबी टेनिस क्लासिक में बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पायीं तो खेल से संन्यास ले लेंगी। ओसाक अक्टूबर में चाइना ओपन में पीठ में आये खिंचाव के बाद से ही टेनिस कोर्ट से दूर हैं। अब वह वापसी करते हुए अपना पहला मुकाबला ऑकलैंड में खेलेंगी। इस टूर्नामेंट में ओसाका का पहला मुकाबला इस्राइल की लिना ग्लूश्को से होगा। ओसाका ने कहा कि इस साल उन्होंने अपने पहले बच्चे के जन्म के लिए लगभग 15 महीने के ब्रेक के बाद अपना पेशेवर करियर फिर से शुरू किया था और वह सत्र के अंत में 58वें स्थान पर रहीं। ओसाका ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि मैं ऐसी खिलाड़ी हूं जो उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन नहीं रहने पर खेलती रहूं।'' उन्होंने कहा, ''मैं टूर पर मौजूद सभी खिलाड़ियों का बहुत सम्मान करती हूं पर मैं अभी अपने जीवन में जिस जगह पर हूं, उसे देखते हुए अगर मैं एक एक तय स्थानसे ऊपर नहीं पहुंचती तो मैं आगे नहीं खेलना चाहूंगी।'' ओसाका ने कहा, ''अगर मैं उस रैंकिंग पर नहीं पहुंचती हूं जहां मुझे लगता है कि मुझे होना चाहिए तो मैं उसकी जगह पर अपनी बेटी के साथ समय बिताना अधिक पसंद करूंगी।'' ओसाका का इस जीत हार का एकल रिकॉर्ड 22-17 रहा है।

रोहित-विराट की जगह लेने के लिए खिलाड़ी हैं, बुमराह अगला कप्तान होगा : दो बार के विश्व कप विजेता

मेलबर्न (एजेंसी) । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व मुख्य कोच और दो बार के विश्व कप विजेता डेरेन लीमैन का मानना है कि भारतीय क्रिकेट के पास यशस्वी जायसवाल जैसा सुपरस्टार है और विराट कोहली तथा रोहित शर्मा के संन्यास के बाद भी भारतीय क्रिकेट में इस कमी को पूरा करने वाले खिलाड़ी होंगे। ऑस्ट्रेलिया के लिए एक दशक के करियर में 27 टेस्ट और 117 वनडे खेलने वाले लीमैन ने जसप्रीत बुमराह की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने कभी ऐसा खिलाड़ी नहीं देखा जिसका एक श्रृंखला पर इतना असर रहा हो।

मौजूदा श्रृंखला में खराब प्रदर्शन के कारण रोहित और कोहली के संन्यास की संभावना के बारे में लीमैन ने कहा, 'देखते हैं कि अगले कुछ दिन में क्या होता है और वे क्या फैसला लेते हैं। लेकिन वे लंबे समय से भारत के महान क्रिकेटर रहे हैं। अब युवा खिलाड़ी भारत के लिए बेहतरीन खेल रहे हैं। भारतीय क्रिकेट में इतनी गहराई है कि उन्हें चिंता करने की जरूरत नहीं है। जब भी ये दोनों संन्यास का फैसला लेते हैं तो उनकी जगह लेने के लिए काफी प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी हैं।'

जायसवाल के बारे में उन्होंने कहा, 'सुपरस्टार। सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक। वह और हैरी ब्रूक अगली पीढ़ी के खिलाड़ी हैं। उसने मेलबर्न और पर्थ में शानदार पारियां खेली। इस दौरे पर वह एक खिलाड़ी के तौर पर काफी निखरा है।' बुमराह की तुलना वसीम अकरम और ग्लेन मैकग्रा से करते हुए उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि रोहित के बाद वह अगला कप्तान होगा। उसने पर्थ में शानदार प्रदर्शन किया। मैंने जितने गेंदबाजों को खेलते देखा है, वह सर्वश्रेष्ठ है। मैंने वसीम अकरम और ग्लेन मैकग्रा को देखा है लेकिन किसी एक श्रृंखला में किसी गेंदबाज का इतना प्रभाव नहीं देखा जो 2013-14 एशेज में मिचेल जॉनसन के बाद अब बुमराह ने दिखाया है।'

बदलाव के दौर पर लीमैन ने कहा कि आस्ट्रेलिया को बल्लेबाजी में चिंता करने की जरूरत है हालांकि पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड, स्कॉट बोलैंड जैसे गेंदबाज भी तीस पार कर चुके हैं। उन्होंने कहा, 'गेंदबाजी में कई अच्छे खिलाड़ी आ रहे हैं लेकिन बल्लेबाजी में सोचने की जरूरत है।'

टैंकर का वॉल्व टूटने से ऑक्सीजन प्लांट में गैस लीक

मेन वॉल बंद कर रोकी गैस लीकेज

चमकता राजस्थान

समय रहते ही सावधानी पूर्वक बड़े हादसे की घटना के घटनें से पूर्व ही पर काबू पा लिया गया

जयपुर!(खलील कुरैशी)। विश्वकर्मा थाना इलाके में एक ऑक्सीजन प्लांट में मंगलवार शाम गैस लीकेज होने से दहशत फैल गई। टैंकर का वाल्व टूटने से प्लांट से ऑक्सीजन का लीकेज हुआ था। पुलिस ने मेन वॉल बंद करवाकर गैस लीकेज को बंद करवाया। पुलिस की ओर से ऑक्सीजन गैस के चलते पारदर्शिता कम होने के चलते वाहनों को धीमे गति से निकाला गया। थानाधिकारी राजेन्द्र शर्मा ने बताया कि विश्वकर्मा रोड नंबर-18 पर स्थित ऑक्सीजन प्लांट पर गैस लीकेज हुआ था। ऑक्सीजन प्लांट के एक टैंकर में 20 टन गैस भरी हुई थी। शाम करीब 4 बजे टैंकर का बॉल्व टूटने से गैस लीकेज हो गई। जिसके चलते 200-300 मीटर तक ऑक्सीजन गैस तेजी से फैल गई।

गैस लीकेज के चलते स्थानीय लोगों मेंदहशत का माहौल फैल गया। विश्वकर्मा थाना पुलिस सूचना पर फायर बिग्रेड की गाड़ी के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने ऑक्सीजन प्लांट के मेन बॉल को बंद करकवार लीकेज को बंद करवाया। ऑक्सीजन गैस के लीकेज से पारदर्शिता कम होने के चलते वाहनों को पुलिस ने धीमे गति से हटवाया। फायर बिग्रेड की मदद से पानी के बाछौर कर गैस के लेवल को हटाया गया। पुलिस ने हादसे में किसी के हाताहत होने से मना किया है।

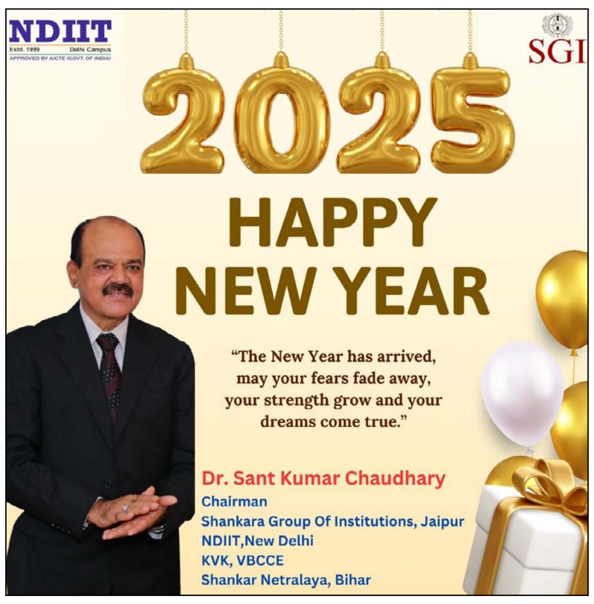

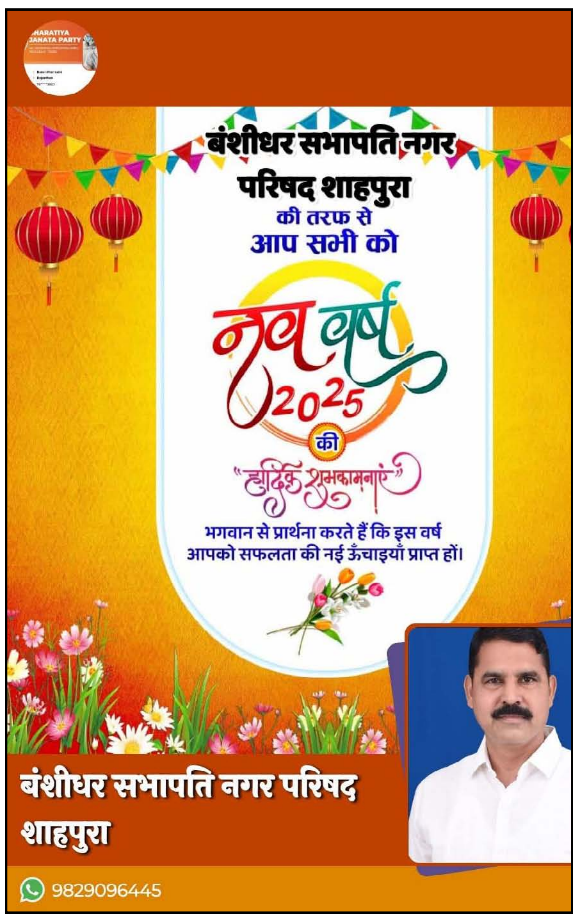

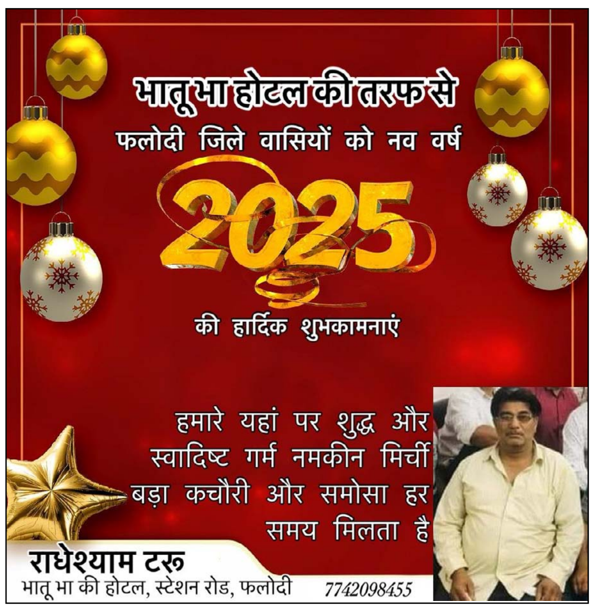

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान, मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929